दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
वर्षः- 05
अंकः- 166
मुरादाबाद
(Tuesday)
07 October 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने काशी की बेटियों को दी सिलाई मशीन, बोले- आत्मनिर्भर बन रही हैं बहन-बेटियां

लोगों की समस्याओं से रुबरू हुए सीएम योगी, बोले- हर चेहरे पर खुशी व संतुष्टि ही सरकार की प्राथमिकता

सीएम योगी काशी दौरे पर हैं। सोमवार को उन्होंने काशी की बेटियों को सिलाई मशीन व लैपटॉप दिए। उन्होंने सभी छात्र छात्राओं, बेटियों, बहनों को भी इस प्रकार के प्रशिक्षण के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मां जगत जननी के पूजन-अर्चन के बाद आज शरद पूर्णिमा के अवसर पर हम सभी मां अन्नपूर्णा के इस पुण्य कार्यक्रम में उपस्थित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में संचालित मिशन शक्ति कार्यक्रम में ये कार्यक्रम जुड़कर नारियों के स्वावलंबन के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव प्रस्तुत करता है। मां अन्नपूर्णा के प्रसाद स्वरूप ही हम अन्न को प्राप्त कर पाते हैं। सीएम ने कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि काशी का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जा रहा है। कहा कि प्रधानमंत्री के नारियों के उत्थान हेतु ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रदेश में 60 लाख महिलाओं को आवास प्रदान करना, 12 करोड़ से ज्यादा लोगों को शौचालय मुहैय्या कराना, 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को गैस कनेक्शन देना, तीन करोड़ लोगों को घरौनी मुहैया कराकर महिलाओं के लिए कार्य किए जा रहे हैं। महिलाओं का सफर आसान कर रही सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, स्किल मिशन के माध्यम से सरकार लगातार महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर उनका सफर आसान कर रही है। उन्होंने बताया कि दुनिया में कृषि के बाद सबसे अधिक लोगों को रोजगार वस्त्र सेक्टर देता है। उन्होंने महिलाओं से कहा कि आप जितनी सिलाई करेंगी, आपकी आय में उतनी अधिक वृद्धि होगी। पूरे विश्व की महिलाएं पहनेंगी यहां तैयार किए गए कपड़े उन्होंने प्रदेश में संचालित वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट का उदाहरण भी दिया और कहा कि महिलाएं यहां कपड़ा जो तैयार करेंगी उसको पूरे विश्व की महिलाएं पहनेंगी। प्रदेश की राजधानी में 1100 एकड़ में वस्त्र मित्र पार्क बन रहा। प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर टेक्सटाइल पार्क बनाया जा रहा है, जो आने वाले समय में वस्त्र रोजगार के लिए वरदान साबित होगा। संस्कृत के लिए लगातार कार्य कर रहा ये मठ सीएम ने कहा यह मठ देव वाणी संस्कृत के लिए भी लगातार कार्य कर रहा है। अन्नपूर्णा मंदिर के संस्कृत महाविद्यालय के बच्चे सभी कार्यक्रमों में वैदिक मंत्रोच्चार करके माहौल को आध्यात्मिक बना देते हैं। यहां गोसेवा भी बहुत अच्छे से की जा रही है।

भारत की यही संस्कृति रही, जिस पद्धति को ये मठ बहुत तेजी से आगे बढ़ा रहा है। यहां छात्रों को संस्कृत परंपरा के साथ जुड़कर आधुनिक शिक्षा दी जा रही है। आने वाले समय में दुनिया को जोड़ने वाली भाषा संस्कृत ही होगी। संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने स्कॉलरशिप तथा रहने खाने, उच्च स्तर पर शोध के लिए लगातार कार्य कर रही है। दुनिया का पहला विश्वविद्यालय तक्षशिला भी भारत की ही देन है, जिसकी उपज पाणिनि थे, जिनका व्याकरण हमको देखने को मिलता है। महर्षि वाल्मीकि ने दुनिया का पहला संस्कृत महाकाव्य रचा था। संस्कृत दिव्य ज्ञान की भाषा है, जिसमें आध्यात्मिक ज्ञान के साथ भाव भी चाहिए तभी विश्व कल्याण का रास्ता निकलेगा।इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माता सरस्वती, महादेव एवं माता अन्नपूर्णा की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात् दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अन्नपूर्णा मंदिर के महंत शंकर पुरी द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए स्वागत व वंदन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काशी में दो दिवसीय दौरे पर आए हैं। सोमवार को शिवपुर स्थित अन्नपुर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय में आयोजित काशी अन्नपूर्णा अन्न क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा संचालित सिलाई-कढ़ाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के 14वें सत्रांत में शामिल हुए। इस अवसर पर सीएम योगी द्वारा लगभग 250 बालक-बालिकाओं में सिलाई मशीन, लैपटॉप एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के भव्य आयोजन के लिए अन्नपुर्णा आश्रम के महंत शंकरपुरी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मां अन्नपूर्णा की धरा पर 108 वर्षों से संचालित इस आश्रम में अनेक लोककारी कार्य किए जा रहे हैं। उसके लिए सीएम ने महंत शंकर पुरी व पूरी टीम को बधाई दी। जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ प्रदेशभर से आए लोगों की समस्याओं से रूबरू हुए। लोगों की समस्याएं सुनकर निश्चित समयावधि में निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देशित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हर चेहरे पर खुशी व संतुष्टि ही सरकार की प्राथमिकता है। राजधानी लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने %जनता दर्शन% में प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र लेकर अफसरों को निश्चित समयावधि में उनका निस्तारण कराने के लिए कहा। इस मौके पर पुलिस, राजस्व और आर्थिक सहायता से जुड़े मामले लेकर फरियादी पहुंचे थे। अपनी समस्याएं लेकर मुख्यमंत्री से मिलने के लिए 50 से अधिक पीड़ित पहुंचे थे। सीएम एक-एक करके सभी के पास पहुंचे। उनका प्रार्थना पत्र लिया। तत्काल निराकरण के लिए अफसरों को निर्देश दिया। इस दौरान पुलिस, बिजली, नौकरी और आर्थिक सहायता की मांग लेकर फरियादी पहुंचे थे।

%जनता दर्शन% से भी हो रहा समस्याओं का निराकरण

इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि किसी के चेहरे पर खुशी लाना ही ईश्वर की सेवा है। प्रदेश सरकार हर पीड़ित को खुशहाल करने की भावना से कार्य कर रही है। सरकार की योजनाओं का बिना भेदभाव सभी को लाभ मिल रहा है। %जनता दर्शन% के माध्यम से भी समस्याओं का निराकरण कराया जा रहा है। बच्चों को दी चॉकलेट - सीएम ने %जनता दर्शन% में फरियादियों के साथ आए बच्चों का भी हाल जाना। उनके सिर पर हाथ फेरकर दुलार किया। उन्हें अपनत्व का अहसास कराया। सभी बच्चों को चॉकलेट-टॉफी देकर खूब पढ़ने-खेलने की भी सलाह दी।

बिहार में 6 और 11 नवंबर को विधानसभा चुनाव, 14 नवंबर को परिणाम

बिहार का विधानसभा चुनाव दो चरणों में कराया जाएगा। पहले चरण की वोटिंग 6 नवंबर को और दूसरे चरण की वोटिंग 11 नवंबर को होगी। 14 नवंबर बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आएंगे।बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां कुल पोलिंग स्टेशन की संख्या - 90, 712 एक पोलिंग स्टेशन पर वोटर्स का एवरेज - 818 शहरों में पोलिंग स्टेशन की संख्या - 13,911 गांवों में पोलिंग स्टेशन की संख्या - 76, 801 युवाओं द्वारा प्रबंधित पोलिंग स्टेशन की संख्या- 38 महिलाओं द्वारा प्रबंधित पोलिंग स्टेशन की संख्या - 1,044 मॉडल बूथों की संख्या- 1350 मतदान केंद्रों पर क्या-क्या सुविधाएं होंगी?एसआईआर पर भी बोले मुख्य चुनाव आयुक्त लगभग 22 वर्षों के बाद बिहार में मतदाता सूची के शुद्धिकरण का काम पूरा हुआ। सभी राजनीतिक दलों ने यह मांग की थी कि मतदाता सूची में काफी गड़बड़ियां हैं। सोशल मीडिया में इसके बारे में काफी बढ़-चढ़कर कहा गया। लेकिन सच्चाई यह है कि 243 विधानसभाओं में 1.6 लाख बूथ लेवल एजेंट्स के साथ मिलकर । एसआईआर में जमीनी स्तर के अधिकारियों को जबरदस्त मेहनत करनी पड़ी है। एक नई व्यवस्था बनाई गई है। किसी भी पोलिंग स्टेशन के ठीक बाहर कोई भी मतदाता अपना मोबाइल फोन जमा करा सकता है। इसके बाद वोट करने के बाद इसे लेकर वापस जा सकता है।बिहार में विधानसभा का चुनावी आंकड़ा राज्य में कुल 243 सीटें सामान्य सीट -203 एसटी सीट - 02 एससी सीट - 38 बिहार में कुल मतदाता - 7.42 करोड़ बुजुर्ग मतदाताओं की संख्या - 4 लाख 100 साल पूरे कर चुके मतदाता - 14 हजार पहली बार वोट करने वाले मतदाता - 14 लाख पुरुष मतदाताओं की संख्या - 3.92 करोड़ महिला मतदाताओं की संख्या - 3.50 करोड़ ट्रांसजेडर्स मतदाताओं की संख्या - 1725 दिव्यांग मतदाताओं की संख्या - 7.2 लाख 85 साल उम्र के मतदाताओं की संख्या - 4.04 लाख सेवारत मतदाओं की संख्या - 1.63 लाख 20-29 साल उम्र के मतदाताओं की संख्या- 1.63 करोड़बिहार विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस की जा रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया जा रहा है। उन्होंने कहा- बिहार की पावन भूमि पर पांच वर्षों के बाद अब विधानसभा चुनाव का आगमन हो रहा है। जैसा कि आप सबको पता है चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और यह अपनी जिम्मेदारी दो चरणों में निभाती है। पहला चरण- मतदाता सूची बनाना और दूसरा चरण- चुनाव कराना। जून 2025 से शुरू हुए एसआईआर से मतदाता सूची का शुद्धिकरण हुआ। एक अगस्त को ड्राफ्ट सूची प्रकाशित हुई और सभी राजनीतिक दलों को दी गई। एक सितंबर तक दावों और आपत्ति का समय रहा। इसमें राजनीतिक दल, बूथ एजेंट्स और नागरिकों को भरपूर समय दिया गया। उसके बाद पात्रता का परीक्षण हुआ और 30 सितंबर को फाइनल मतदाता सूची प्रकाशित हुई। अभी भी उसमें कोई अधिकारियों से गलती रह गई हो तो जिलाधिकारी के पास अपील डाली जा सकती है। किसी का नाम छूट गया हो तो नामांकन के 10 दिन पहले तक नाम जुड़वा सकता है।आगमी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बिहार में चुनाव आयोग के द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर करवाया गया। इसमें नए सिरे से बिहार में मतदाताओं की गणना की गई। यह प्रक्रिया जून से शुरू हुई थी जिसकी अंतिम सूची 30 सितंबर को आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई। 30 सितंबर 2025 को आई इस सूची के अनुसार बिहार में कुल 7,41,92,357 मतदाता पंजीकृत है। 2020 में यह आकड़ा 7,36,47,660 था। यानी, 2020 के मुकाबले इस बार चुनाव में 5,44,697 मतदाताओं का इजाफा हुआ है। हालांकि, एसआईआर के बाद राज्य में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या में 47,77,487 कमी आई है। ठाकुर को लेकर चर्चा है कि वे 2025 का विधानसभा चुनाव लड़ सकती हैं। यह चर्चा इसलिए हो रही है, क्योंकि उन्होंने बीजेपी के नेताओं से मुलाकात की है। इस मुलाकात के दौरान उनके पिता भी साथ में थे। विनोद तावड़े और नित्यानंद राय के साथ जब से उनकी तस्वीर सामने आई है चुनाव लड़ने को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।बिहार चुनाव के लिए NDA में सीटों के बंटवारे पर बिहार सरकार के मंत्री नितिन नबीन ने कहा, सीटों के बंटवारे पर हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की NDA के सभी दलों के बड़े नेताओं के साथ बात हो रही है। बहुत जल्द इस पर निर्णय हो जाएगा। हमारे सभी दलों का नेतृत्व इस पर सही निर्णय लेने में सक्षम है।

संक्षिप्त समाचार

इम्यून सिस्टम को बेहतर तरीके से समझने की खोज, इन तीन वैज्ञानिकों को चिकित्सा का नोबेल

चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार का एलान हुआ है। इस साल 'फिजियोलॉजी या मेडिसिन' का नोबेल पुरस्कार मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन साकागुची को दिया गया।शरीर की शक्तिशाली प्रतिरक्षा प्रणाली को नियंत्रित करना आवश्यक है अन्यथा यह हमारे अपने अंगों पर ही हमला कर सकती है। मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड राम्सडेल और शिमोन साकागुची को इस संबंध में उनकी अभूतपूर्व खोजों के लिए 2025 का फिजियोलॉजी या मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार शरीर की रक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) को बेहतर समझने की खोज- पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस के लिए मिला है। इन खोजों ने अनुसंधान की नई राह खोल दी है। इससे कैंसर तथा ऑटोइम्यून रोगों के उपचारों को और प्रभावी बनाने में मदद मिल सकती है।पिछले साल का पुरस्कार अमेरिकी नागरिक विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को सूक्ष्म 'आरएनए' (राइबोन्यूक्लिक एसिड) की खोज के लिए दिया गया था। यह सम्मान 1901 से 2024 के बीच 115 बार 229 नोबेल पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किया जा चुका है। खोज की महत्वपूर्ण बातों को जानिए- पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस एक ऐसा तरीका है जिससे शरीर अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को अनियंत्रित होने और शरीर के ही ऊतकों पर हमला करने से रोकता है। जिस खोज के लिए वैज्ञानिकों ने इस साल का नोबेल दिया गया है उसमें ये पता लगाया गया है

स्वामी प्रसाद मौर्य के निशाने पर फिर ब्राह्मण-क्षत्रिय और धर्म, बोले- देश के खंड-खंड करना चाहते ठेकेदार

स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर ब्राह्मण-क्षत्रिय और धर्म को लेकर विवादास्पद टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि कुछ ढोंगी

देश के खंड-खंड करना चाहते हैं।यूपी के अमेठी में सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे पूर्व मंत्री एवं अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 10 साल का ब्राह्मण 100 साल के क्षत्रिय का पिता होता है। सरकारी नीतियों पर प्रहार करते हुए कहा कि सरकार हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद के मुद्दों को बनाए रखना चाहती है।

इसे खत्म करना नहीं चाहती है। मंच से संबोधन के दौरान

संस्कृत का एक श्लोक पढ़ते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि 10 साल का ब्राह्मण 100 साल के क्षत्रिय का पिता होता है। हाल ही में जेल में गायत्री प्रसाद प्रजापति पर हुए हमले पर कहा कि इस समय जंगलराज चल रहा है। जेल में हमला हो जा रहा है। भाजपा को हराने के लिए गठबंधन स्वीकार- धर्म को लेकर उन्होंने कहा कि देश को आजाद कराने के लिए कई लोगों ने कुर्बानी दी है।

लेकिन, कुछ ठेकेदार धर्म का चोला पहनकर देश के साथ धोखा करना चाहते हैं। जो देश कभी अखंड था, उसको खंड-खंड करना चाहते हैं। यह देश भारतीय संविधान से चलेगा, किसी ढोंगी के कहने से नहीं।

2027 का विधानसभा चुनाव हम सभी सीटों पर लड़ने के लिए तैयार हैं। भाजपा को हराने के लिए गठबंधन करना पड़ेगा तो वो भी करेंगे।

संपादकीय Editorial

Rahul Gandhi calls alleged attacks on democracy the biggest threat to India

Rahul Gandhi once again stated on foreign soil that democracy in India is in danger. He described alleged attacks on democracy in Colombia as a major threat to India. He has previously expressed concerns about the future of Indian democracy during his foreign trips. According to Rahul Gandhi, he believes that Indian democracy will remain in danger until Congress comes to power. Rahul Gandhi once again stated on foreign soil that democracy in India is under attack from all sides. This time, he described alleged attacks on democracy in Colombia as the biggest threat to India. While Rahul Gandhi has long seen Indian democracy under threat, he has recently been exaggerating this threat. He has previously raised fears about the future of Indian democracy during his foreign trips. He even once said that democracy in India is dying and that major democratic countries are not even concerned about it. He has also raised the issue of vote theft as a threat to democracy, but this issue seems to be losing steam. Several days have passed since the final draft of the voter list was released in Bihar, yet those claiming vote theft are unable to identify those who are citizens of Bihar and whose names have been deleted from the voter list despite possessing all valid documents. It seems that Rahul Gandhi will continue to see Indian democracy in danger until Congress comes to power at the center. Is the only guarantee of democracy's security if a particular party, namely Congress, consistently wins elections and also rules the country? Is ruling the country Congress's birthright? If Rahul Gandhi believes that repeating a false allegation will turn it into truth, that is unlikely to happen, even if he travels the world repeating his allegations. Rahul Gandhi's problem isn't just that he makes baseless accusations and then can't seem to stand by them, but also that he often makes esoteric or puzzling statements that are neither understandable nor explainable. Sometimes, even his colleagues find it difficult to interpret them. If his bizarre and incomprehensible explanation of the difference in engine weight between a car and a motorcycle became the subject of ridicule among engineering students at Columbia, he can't blame anyone else. His inability to stand by his accusations and his frequent utterances are hindering Rahul Gandhi's image as a mature leader. If anyone should be most concerned about this, it's the Congress party. All the more so because Rahul Gandhi is unofficially running it.

"Swadeshi" is just a slogan

We have been hearing the slogan "Swadeshi" for seven decades. Even before independence, it was a core issue of the RSS. When the Jan Sangh was formed in 1951, this RSS issue was adopted politically. It was also an election issue for the Jan Sangh. When the BJP was formed in 1980, it also promoted "Swadeshi" extensively. In fact, we are not opposed to "Swadeshi," because it is a primary issue for the country's self-reliance. Now, in the RSS's centenary celebrations and Dussehra addresses, respectively, Prime Minister Modi and Sarsanghchalak Mohan Bhagwat have once again praised "Swadeshi." They have linked Swadeshi and Khadi to the country's independence. But the question is: can a country with a population of over 1.46 billion people survive on "Swadeshi" alone? Is it possible to expand the country's economy? We believe that in an era of global liberalization, international trade, foreign investment, exports, and ultimately, self-reliance, cannot be achieved solely on the basis of "Swadeshi." Khadi production is worth ?3,783 crore (37.83 billion rupees) and trade is ?7,146 crore (71.46 billion rupees). India ranks 10th in global trade. We are an economy worth over $4 trillion. How can the country survive on just this much commercial capital? India's total exports are ?37 lakh crore (37 lakh crore rupees) and imports are ?61 lakh crore (61 lakh crore rupees). Consequently, our trade deficit is around ?9,000 crore (90 billion rupees). If 'Swadeshi' is to be implemented 100%, then the concerns of micro, small, and medium enterprises (MSMEs), which can be the backbone of 'Swadeshi', must be addressed. During the COVID-19 pandemic, the lockdowns led to the closure of 75,082 small and cottage industries. Before that, they were severely affected by demonetization. It is estimated that around 600,000 such cottage industry companies and factories have closed. While the government announced economic packages and easy banking loans, the existence of MSMEs could not be saved. The government could issue a formal statement clarifying the current status of cottage industries. The Modi government had set a target for manufacturing to contribute 23% to the country's gross domestic product (GDP). This has fallen from 16-17% to around 13%. When India currently lags behind in manufacturing, how is "swadeshi" possible? The concept of "swadeshi" production and economy should have been implemented in India before 1991. The globalization and liberalization that began in India in 1991 were implemented in China as early as 1979, helping it achieve self-reliance much earlier. Today, China's industrial policy is such that it is not dependent on any country. It needs only 13-14% of its trade with the United States. Even if that were to be lost, China's economy would not be faltering. India lacks such a robust industrial policy. Today, Southeast Asian countries are outpacing powerful countries like India in the international market. If the Prime Minister or Commerce Minister were to visit these countries once, they would learn how to do business. America has imposed a 50% tariff on us. This is bound to adversely affect companies that produce goods worth crores. For example, carpets and clothing are "swadeshi." If the tariff hike prevents them from being consumed in the American market, can the government make any arrangements to ensure that their "swadeshi" goods can be sold domestically? During its 11-year tenure, the Modi government has implemented foreign direct investment (FDI) measures ranging from 74% to 100% in defense, insurance, communications, pharmaceuticals, multi-item trade, etc. If only indigenous goods are to be sold and purchased, why is foreign investment needed? Why would any multinational company invest in India? What will happen to liberalization? Let us clarify once again that we are not against "swadeshi," but today, even the largest superpower, America, is dependent on goods from other countries. India cannot become an economic superpower in isolation. The Sarsanghchalak has also indicated this. At a time when international dependence is increasing, Swadeshi can only be adopted to a certain extent. Every country today is strengthening its ties with other nations. Swadeshi has its limitations.India ranks 10th in global trade. We are an economy worth over $4 trillion. How can the country survive on just this much commercial capital? India's total exports are ?37 lakh crore (37 lakh crore rupees) and imports are ?61 lakh crore (61 lakh crore rupees). Consequently, our trade deficit is around ?9,000 crore (90 billion rupees). If 'Swadeshi' is to be implemented 100%, then the concerns of micro, small, and medium enterprises (MSMEs), which can be the backbone of 'Swadeshi', must be addressed. During the COVID-19 pandemic, the lockdowns led to the closure of 75,082 small and cottage industries. Before that, they were severely affected by demonetization. It is estimated that around 600,000 such cottage industry companies and factories have closed. While the government announced economic packages and easy banking loans, the existence of MSMEs could not be saved. The government could issue a formal statement clarifying the current status of cottage industries. The Modi government had set a target for manufacturing to contribute 23% to the country's gross domestic product (GDP). This has fallen from 16-17% to around 13%. When India currently lags behind in manufacturing, how is "swadeshi" possible? The concept of "swadeshi" production and economy should have been implemented in India before 1991. The globalization and liberalization that began in India in 1991 were implemented in China as early as 1979, helping it achieve self-reliance much earlier. Today, China's industrial policy is such that it is not dependent on any country. It needs only 13-14% of its trade with the United States. Even if that were to be lost, China's economy would not be faltering. India lacks such a robust industrial policy. Today, Southeast Asian countries are outpacing powerful countries like India in the international market. national dependence is increasing, Swadeshi can only be adopted to a certain extent. Every country today is strengthening its ties with other nations. Swadeshi has its limitations.

The digital revolution has reached the Panchayats, benefiting everyone.

More than 12,800 Gram Panchayats across the country uploaded over 21,000 video-based minutes using this innovative tool. On this occasion, nearly all of Tripura's 1,193 Gram Panchayats and traditional local bodies adopted "Sabhasaar," setting a new example of success, while other states also participated actively. Recently, Gram Panchayats in Visakhapatnam were awarded the National e-Governance Awards (NAEG) 2025 for grassroots initiatives in digital services. Over 145,000 entries were evaluated for this award, resulting in four Gram Panchayats being awarded in the "Grassroots Initiatives in Gram Panchayats to Deepen Service Delivery" category. Two of these Gram Panchayats are headed by women. The digital divide isn't just a lack of access to technology; it's deeply rooted in socio-economic inequalities, gender norms, and digital literacy gaps. Women leaders in Panchayati Raj institutions face numerous obstacles, including limited access to digital infrastructure. However, the Modi government's relentless call for a digital revolution over the past decade has transformed this landscape, resulting in these awards. The winning Panchayats have set new standards in digital governance, transparency, and participatory service delivery. Gold Award winner Rohini Gram Panchayat in Maharashtra became the first Gram Panchayat in the state to adopt a completely paperless e-office system. The Panchayat provides 1,027 services online and ensures 100% household digital literacy. Immediate grievance redressal and SMS communication ensure that every citizen remains connected to governance decisions. Silver Award winner West Majlishpur Gram Panchayat in Tripura has transformed into a model of citizen charter-based Panchayat governance. Services such as birth, death, and marriage certificates, business licenses, property records, and MNREGA job cards are available online. Every request is digitally monitored, ensuring accountability, timeliness, and transparency. The Jury Award winner, Palsana Gram Panchayat in Gujarat, has integrated portals like "Digital Gujarat" and "Gram Suvidha" to enable QR/UPI-based property tax payments, online grievance redressal, and transparent welfare delivery. The second Jury Award winner, Suakati Gram Panchayat in Odisha, has digitized essential services through the "Odisha One" and "Seva Odisha" platforms, providing citizens with 24-hour updates. This demonstrates how technology bridges the gap between government and citizens. The National e-Governance Plan was launched in 2006. Under this, e-Gram Swaraj was launched to strengthen e-governance in Panchayati Raj institutions and reduce the complexities involved in e-governance applications. Today, Panchayat meetings, including Gram Sabha meetings, are being managed through the "Panchayat Nirnay App." To enhance citizen participation in Gram Sabhas, the app has been provisioned so that whenever a Gram Sabha meeting is scheduled or the Panchayat uploads the agenda or minutes of the meeting on the Panchayat Nirnay Portal or mobile app, app users can easily access all the information. Panchayats in many states are now electronically providing services such as issuance of birth, death, income, marriage, residence certificates, construction and business permits, and payment of property and house taxes. Maharashtra, Jharkhand, and Chhattisgarh are using the ServicePlus application developed to deliver services electronically. The recently launched "SabhaSaar" by the Ministry of Panchayati Raj is a significant milestone in its digital journey. This smart tool, based on AI and natural language processing, generates a well-organized meeting summary in minutes from audio/video recordings of Gram Sabha and Panchayat meetings. The use of "Sabhasaar" during the special Gram Sabhas held on August 15th was remarkable and encouraging, with over 12,800 Gram Panchayats across the country using this innovative tool to upload over 21,000 video-based minutes. On this occasion, nearly all of Tripura's 1,193 Gram Panchayats and traditional local bodies set a new example of success by adopting "Sabhasaar," while other states also participated actively. "Sabhasaar" is available in 13 Indian languages. This multilingual innovation ensures inclusivity for Panchayats across diverse linguistic regions. It is also a visionary initiative to strengthen participatory democracy in Gram Panchayats, ensure transparent documentation of decision-making processes, and ensure speedy subsequent action. This initiative provides Panchayat representatives with an opportunity to focus more on improved local self-governance and excellent service delivery, paving the way for further strengthening grassroots democracy in the Amrit Kaal.

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

सबको रुला गई यतिका: मां की जरा-सी लापरवाही दे गई जिंदगीभर का गम, पानी की बाल्टी में मिली दो साल की बेटी की लाश

रविवार को विशाखा सुबह करीब 10 बजे घर में साफ सफाई कर रही थी। उनकी दो वर्षीय बेटी यतिका भी पास में ही खेल रही थी। वह खेलते-खेलते कमरे से बाथरूम की ओर चली गई और मां को इसकी भनक तक नहीं लगी। रविवार की सुबह घर के काम में मां के दौरान पांच मिनट बाद जैसे ही मां का ध्यान बेटी यतिका की ओर हुई थी। बेटी को निजी चिकित्सक को दिखाया मगर चिकित्सक ने मृत से मां का रो-रोकर बुरा हाल हो चला है। कस्बे के मोहल्ला मंसूरपुर में बाहर रहकर काम करते हैं। घर पर उनकी पत्नी विशाखा व दो बेटियां विशाखा सुबह करीब 10 बजे घर में साफ सफाई कर रही थी। उनकी खेलते कमरे से बाथरूम की ओर चली गई और मां को इसकी भनक बड़ी बेटी तृष्णा को आवाज दी। उसे यतिका को बुलाने के लिए कहा। तलाशना शुरू किया। उसे जब आसपास वह नहीं दिखी तो वह बाथरूम थी। इस पर उसने अपनी मां को आवाज दी। आवाज सुनकर विशाखा से मां व अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं हादसे की सूचना बनी जानलेवा- घर में रखी पानी से भरी बाल्टी ने एक मासूम की जान यह घटना एक बार फिर छोटे बच्चों की सुरक्षा और घरेलू खतरों को की घटनाएं पूरी तरह से रोकी जा सकती हैं। सबसे बड़ी लापरवाही

की व्यस्तता से दो वर्षीय साल की बेटी की जान पर बन गई। काम गया तो उनकी चीख निकल गई। यतिका बाल्टी में औंधे मुंह गिरी घोषित कर दिया। पिता करते हैं बाहर रहकर काम- मासूम की मौत रामनिवास सैनी के घर में रविवार की सुबह कोहराम मच गया। वह रहते हैं। खेलते-खेलते कमरे से पहुंच गई बाथरूम में रविवार को दो वर्षीय बेटी यतिका भी पास में ही खेल रही थी। वह खेलते-तक नहीं लगी। कुछ देर बार बेटी को तलाशने के लिए पांच वर्षीय बाल्टी में औंधे मुंह गिरी हुई थी यतिका - तृष्णा ने यतिका को की ओर गई। वह बाथरूम में पानी की बाल्टी में औंधे मुंह गिरी दौड़कर बाथरूम की ओर पहुंची और चिल्लाने लगी। मासूम की मौत मिलते ही आसपास के लोग वहां पहुंच गए। थोड़ी सी लापरवाही ले ली। दो साल की बच्ची की बाल्टी के पानी में डूबकर हो गई। लेकर माता-पिता की असावधानी को उजागर करती है। इस तरह निरंतर और करीबी निगरानी का अभाव है। बरतें सावधानी- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर ध्रुवेंद्र सिंह का कहना है कि माता-पिता को यह समझना चाहिए कि दो साल के बच्चे को एक पल के लिए भी पानी से भरे किसी भी बर्तन या जगह के पास अकेला नहीं छोड़ना चाहिए। पानी से भरी बाल्टियों और टबों को हमेशा ढककर या बच्चों की पहुंच से दूर रखा जाना चाहिए। इसके अलावा, बाथरूम का दरवाजा हमेशा बंद रखना अनिवार्य है, ताकि बच्चे बिना निगरानी अंदर न जा सकें। यह हादसा परिवारों के लिए एक कड़ा सबक है कि घर के भीतर मौजूद छोटे खतरों को भी कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

मुरादाबाद में झमाझम बारिश के बाद बदला मौसम, बिजली गिरने से दो की मौत, खेतों में काम करने गए थे दोनों

मुरादाबाद में झमाझम बारिश के बाद मौसम में बदलाव आया। इसी दौरान बिलारी क्षेत्र में सरकड़ा गांव के जंगल में खेतों में काम कर रहे दो किसानों पर बिजली गिरने से उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मुरादाबाद में के बाद मौसम में अचानक बदलाव आ गया। लोगों को उमस हादसा हो गया। खेतों में काम कर रहे एक महिला और पुरुष बाद पूरे क्षेत्र में मातम छा गया। जानकारी के मुताबिक, में सोमवार दोपहर बाद दो किसान खेतों में काम कर रहे थे। बिजली गिरी। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो साहबजादी (60) पत्नी नन्हे उर्फ हमीद और मिलक नगलिया शिव सिंह ने बटाई पर जमीन लेकर धान की फसल बोई थी। तभी अचानक तेज गर्जना और चमक के साथ बिजली गिरने नन्हे उर्फ हमीद के साथ पालक की फसल की गुड़ाई कर रही गिरने के दौरान साहबजादी भी कुछ ही दूरी पर थीं, जिससे

सोमवार दोपहर शहर और आसपास के इलाकों में झमाझम बारिश भरी गर्मी से राहत मिली, लेकिन इसी बीच बिलारी क्षेत्र में दर्दनाक किसान की बिजली गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बिलारी के मोहल्ला अंसारियान पूर्वी के पास सरकड़ा गांव के जंगल इस दौरान अचानक मौसम बिगड़ गया और तेज आवाज के साथ गई। मृतकों की पहचान मोहल्ला अंसारियान फुलवारी रोड निवासी गांव निवासी शिव सिंह (58) पुत्र मुरारी लाल के रूप में हुई है। सोमवार दोपहर करीब तीन बजे वह खेत में धान काटने गया था। से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उधर, साहबजादी अपने पति थीं। दोनों खेत के अलग-अलग हिस्सों में काम कर रहे थे। बिजली उनकी भी मौके पर मौत हो गई। हमीद ने घबराकर शोर मचाया और आसपास के किसानों को बुलाया। ग्रामीणों ने दोनों को हिलाया-डुलाया, लेकिन तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं। सूचना फैलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए। परिजन साहबजादी को लेकर निजी चिकित्सक के पास पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उधर, ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की है।

कैदी को चरस देने के लिए जेल गए अधिवक्ता, गेट पर चेकिंग के दौरान पकड़े, जेलर ने दर्ज करवाया केस

जिला कारागार मुरादाबाद में तलाशी के दौरान अधिवक्ता की जेब से चरस बरामद हुई। जेलर सुरेश कुमार मिश्र की तहरीर पर पुलिस ने अधिवक्ता और चरस सप्लायर के खिलाफ केस दर्ज किया। इसके बाद अधिवक्ता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जेलर शनिवार को दोपहर तलाशी के दौरान एक अधिवक्ता से कराया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अधिवक्ता शरद कुमार थे। सिविल लाइंस पुलिस ने अधिवक्ता को गिरफ्तार सिंह के मुताबिक, जेलर ने सिविल लाइंस थाने की दोपहर करीब 3-04 बजे डिप्टी जेलर मूल कुमार राही राधेश्याम और नीरज से मिलने के लिए जिला कारागार दौरान उनकी पैंट की दाहिनी जेब से सफेद पॉलिथीन में हुआ। पूछताछ में अधिवक्ता शरद कुमार ने पहले तो स्वीकार किया कि बरामद पदार्थ चरस है। चरस वह चंदनपुर मूंढ़ापांडे को देने के लिए लाए थे। बरामद चरस

सुरेश कुमार मिश्र ने जिला कारागार के गेट पर जेब से 100 ग्राम चरस मिलने पर केस दर्ज जेल में बंद एक बंदी को नशीला पदार्थ देने आए कर जेल भेज दिया। एसपी सिटी कुमार रणविजय पुलिस को दी तहरीर देकर बताया कि शनिवार ने सूचना दी कि एडवोकेट शरद कुमार बंदी आए हैं। अधिवक्ता की दूसरे गेट पर तलाशी के लिपटा काले रंग का 100 ग्राम पदार्थ बरामद इन्कार किया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर अपने गांव के ही रहने वाले बंदी राधेश्याम निवासी उन्होंने विशाल निवासी कटरा पूरन जाट भगवती मंदिर के पीछे से खरीदी थी। पूरे घटनाक्रम की जेलर ने वीडियोग्राफी कराई। अधिवक्ता से मौके पर लिखित माफीनामा भी लिया गया। उसकी एक प्रति जेल प्रशासन ने पुलिस को सौंपी है। थाना प्रभारी मनीष सक्सेना ने बताया कि जेलर की तहरीर पर पुलिस ने अधिवक्ता शरद कुमार और विशाल के खिलाफ केस दर्ज किया है। अदालत में पेश करने के बाद अधिवक्ता को जेल भेजा गया है। युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने को चले अभियान- मुरादाबाद शहर के मझोला, कटघर पाकबड़ा और सिविल लाइंस क्षेत्र में नशे का कारोबार बढ़ता जा रहा है। नगर विधायक रितेश गुप्ता ने एसएसपी से मिलकर पुलिस से नशे के खिलाफ अभियान चलाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि शहर में सूखे नशे का कारोबार तेजी के साथ फैल रहा है। कुछ युवा अफीम, चरस, गांजा, कोकीन, हिरोइन और इंजेक्शन खरीद कर उनका इस्तेमाल कर रहे हैं। यह कारोबार थाना मझोला, कटघर, पाकबड़ा और सिविल लाइंस क्षेत्र में बहुत तेजी के साथ फैलता जा रहा है। शहर के लिए यह बहुत ही चिंतनीय विषय है। देश की भविष्य हमारी युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में जकड़ती जा रही है। पुलिस को नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए एक ठोस रणनीति बनाने की जरूरत है।

कल्कि महोत्सव-विकासोत्सव की शुरुआत, मंत्री गुलाब देवी ने किया शुभारंभ, सात दिन तक चलेगा सांस्कृतिक जलसा

संभल के बहजोई स्थित बड़े मैदान में संभल कल्कि महोत्सव-विकासोत्सव की शुरुआत राज्य मंत्री गुलाब देवी ने दीप जलाकर की। छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम की रंगत बढ़ाई। मंत्री ने युवाओं से मोबाइल और इंटरनेट का सही उपयोग कर पढ़ाई पर ध्यान देने की अपील की। संभल के बहजोई स्थित बड़ा मैदान सांस्कृतिक रंगों और उत्साह की लहरों से गूंज उठा। सोमवार को संभल कल्कि महोत्सव-विकासोत्सव की भव्य पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना मनमोहक नृत्य और गीत प्रस्तुत किए, जिससे हुए मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि युवा पीढ़ी समय निकालें और अच्छी संगति में रहें। जब में पहुंचे विकास मोहती आकर्षण का केंद्र रहे। को प्रेरणादायक विचारों से संबोधित किया। योजनाओं और प्रोजेक्ट अलंकार पर प्रकाश अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या उत्सव डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि चलेगा। हर दिन अलग थीम के साथ सांस्कृतिक शाम छह बजे से भव्य सांस्कृतिक संध्या की संध्या, जिसमें जस्सी गिल और बब्बल राय

शुरुआत हुई। राज्य मंत्री गुलाब देवी ने मां सरस्वती के चित्र किया। मंच पर मौजूद अतिथियों के साथ उन्होंने विकास की उद्घाटन समारोह में विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने दर्शकों की तालियां गूंज उठीं। कार्यक्रम को संबोधित करते मोबाइल और इंटरनेट का सही उपयोग करें। पढ़ाई के लिए युवा आगे बढ़ेंगे, तभी देश आगे बढ़ेगा। इसके बाद कार्यक्रम उन्हें देखते ही लोगों में उत्साह उमड़ पड़ा। उन्होंने युवाओं डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने माध्यमिक शिक्षा विभाग की डाला। इस दौरान भाजपा नेता परमेश्वर लाल सैनी, जिला में लोग मौजूद रहे। सात दिनों तक चलेगा सांस्कृतिक संभल कल्कि महोत्सव-विकासोत्सव 13 अक्तूबर तक और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोमवार शुरुआत हुई। 7 अक्तूबर - राजस्थानी और पंजाबी संगीत धमाल मचाएंगे। 8 अक्तूबर - बॉलीवुड नाइट, गायिका मोनाली ठाकुर की प्रस्तुति रहेगी। 9 अक्तूबर - कवि सम्मेलन, जिसमें डॉ. सौरभकांत शर्मा और विनीत चौहान सहित कई कवि अपनी रचनाएं पेश करेंगे। 10 अक्तूबर - साधो बैंड की सूफी नाइट से महफिल सजेगी। 11 अक्तूबर - गोपाल मोहन भारद्वाज के भजन और कृष्ण नाटिका का आयोजन होगा। 12 अक्तूबर - हरियाणवी गायिका रुचिका जांगिड़ की संगीत संध्या रहेगी। 13 अक्तूबर - बॉलीवुड गायक बी प्राक अपनी प्रस्तुति देंगे, जो पूरे महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहेगा प्रशासन ने की तैयारियों की समीक्षा-महोत्सव से पहले रविवार को कलक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्वागत गीत, मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम, वीवीआईपी व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल और सफाई की रूपरेखा तय की। इसके अलावा सोमवार सुबह 9-30 से 11-30 बजे तक माध्यमिक शिक्षा में बदलता उत्तर प्रदेश व प्रोजेक्ट अलंकार पर संगोष्ठी हुई, जिसमें मंत्री गुलाब देवी मुख्य अतिथि रहीं। दोपहर 2 से 3-30 बजे तक मत्स्य सम्मेलन - मत्स्य में रोजगार आत्मनिर्भरता की ओर उत्तर प्रदेश कार्यक्रम हुआ, जिसमें मत्स्य मंत्री संजय कुमार निषाद शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

शान मेडिकल पर बेची जा रही है नकली दवाइयां सेक्स की दवाइयां का बड़े लेवल पर कारोबार ड्रग्स अधिकारी नहीं कर रहे कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच /ताज मलिक / अमरोहा जिला के तहसील हसनपुर नगर एवं क्षेत्र में विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में नकली दवा का कारोबार चल रहा है

उत्तरप्रदेश में नकली दवा कारोबार करने वालों पर शिकंजा कसने जा रही है। नकली दवा मिलने पर अब भारतीय न्याय संहिता के तहत आपराधिक मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। अभी तक ड्रग एवं कॉस्मेटिक एक्ट 1940 के तहत कार्रवाई की जाती है। सालों मुकदमों में तारीखें पड़ती रहती हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों की मानें तो बीते 15 सालों में इन मुकदमों में शायद ही किसी को सजा मिली हो। प्रदेश में नकली दवा का कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है। जैसे की शान मेडिकल व अनेको मेडिकल स्टोर पर नशे की गोलियां बिक्री की जाती हैं। हाल ही में अनेक स्थानों पर बड़े मामले का खुलासा हुआ, जिसके तार राजधानी लखनऊ हरियाणा सहित प्रदेश के कई जिलों से जुड़े हैं। यह दवाएं प्रदेश से बाहर बनवाई जा रही हैं। जिन्हें यूपी में बड़े पैमाने पर खपाया जा रहा है। विभाग की मानें तो यूपी में आने वाली नकली दवाओं की आपूर्ति अधिकांशतः उत्तराखंड, हिमाचल, राजस्थान और मध्य प्रदेश से की जा रही है। अब क्षेत्र में नकली दवाई का कारोबार करने वालों की खैर नहीं है। अब देखना यह है की औषधि प्रशासन कब करेगा कार्रवाई

करंट लगने से छात्रा की मौत, परिवार में मचा कोहराम

नगर के मोहल्ला भूबरा में एक बालिका के कूलर से करंट लगने से मौत हो गई। जिससे परिवार में कोहराम मच गया है। नगर के मोहल्ला भूबरा निवासी रिजवान अहमद की तीन वर्षीय पुत्री नायाब जहां रविवार शाम घर में ही खेल रही थी। उसके हाथ में 2 का सिक्का था। घर में कूलर चल रहा था। अचानक 2 का सिक्का कुलर में गिर गया। बच्ची ने हाथ डालकर कूलर से 2 रुपए का सिक्का उठाने की कोशिश की। जिससे उसके माथे पर करंट लग गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बालिका की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। मृत बालिका एक स्कूल में नर्सरी की छात्रा थी।

कमेटी खुद ही तोड़ने लगी गौसुलवरा मस्जिद का अवैध निर्माण

असमोली थाना क्षेत्र में आने वाले राया बुजुर्ग गांव की मस्जिद को ध्वस्त करने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली तो रविवार को मस्जिद कमेटी ने खुद ही मस्जिद तुड़वानी शुरू कर दी। एक घंटे तक बुलडोजर ने मस्जिद का अगला हिस्सा तोड़ दिया। कुछ निर्माण ग्रामीणों व मजदूरों ने भी तोड़ा। गांव के मुस्लिमों का कहना है कि इलाहबाद उच्च न्यायालय ने उन्हें निचली अदालत में जाने की सलाह दी है। लेकिन अब वे कहीं नहीं जा रहे हैं। प्रशासन ने चार से छह दिन की मोहलत दी है उसमें मस्जिद के सरकारी जमीन वाले हिस्से को खुद तोड़ लेंगे।राया बुजुर्ग गांव में खाद के गड्ढों के नाम दर्ज सरकारी जमीन पर मस्जिद व तालाब की जमीन पर बैंकट हाल बना लिए जाने की शिकायत पर तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह की अदालत में मुकदमा दायर होने के बाद तहसीलदार ने धारा 67 के तहत तालाब में खाद के गड्ढों की जमीन को कब्जा मुक्त करने का आदेश पारित किया था। 2 अक्तूबर को आधा दर्जन से ज्यादा बुलडोजर ने मैरिज हाल को ध्वस्त कर दिया था। मस्जिद कमेटी ने मस्जिद का निर्माण खुद हटा लेने के लिए प्रशासन ने चार दिन की मोहलत ले ली थी। 3 अक्तूबर को मस्जिद का कुछ हिस्सा तोड़ा लेकिन दूसरी तरफ ध्वस्तीकरण के आदेश पर रोक लगाने के लिए मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दी।4 अक्तूबर को उच्च न्यायालय ने मस्जिद कमेटी की याचिका खारिज कर उन्हें निचली अदालत में जाने को कह दिया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक हैं

बवाल के बाद अब अतिक्रमण पर चला नगर निगम का बुलडोजर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नगर निगम के अतिक्रमण हटाओ दस्ते ने अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों के साथ सोमवार को दोपहर 1ः30 बजे कटघर किला क्रॉसिंग के निकट अपनी मार्केट के बाहर अतिक्रमण पर बुलडोजर चला दिया। इस दौरान दुकानों के बाहर और नाले-नालियों पर हुए अतिक्रमण को हटाया गया। यह कार्रवाई जहां हुई है, वह स्थान कटघर पार्क के बाहर का है। कुछ ही दिनों में नगर निगम यहां एक पार्क विकसित करने वाला है। आसपास के लोगों ने बताया कि अतिक्रमण हटाकर नगर निगम ने सही काम किया है लेकिन अन्य जगहों पर भी अतिक्रमण है। उस पर भी समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए। जहां के बवाल के आरोपी, वहां हुई कार्रवाई बवाल में जहां के आरोपी ज्यादा शामिल थे, नगर निगम का अभियान उन इलाकों में चल रहा है। इससे पहले सैलानी में अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई थी। सैलानी के कई लोग भी 26 सितंबर के बवाल में आरोपी बनाए थे। अब सोमवार को दोपहर नगर निगम की टीम ने कटघर के किला मार्केट वाले इलाके में अभियान चलाया। प्रवर्तन दल के प्रभारी कर्नल सीबी जोशी का कहना है कि यह नगर निगम की एक नियमित कार्रवाई है जो आगे भी जारी रहेगी। प्रवर्तन दल के प्रभारी एक जेसीबी और 30 से अधिक कर्मचारियों तथा सुरक्षा कर्मियों के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान मौजूद रहे।

तौकीर के खास सपा नेता का बरात घर सील, बवाल में भीड़ जुटाने का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। विगत 6 सिंतबर को शहर में हुए बवाल के बाद मौलाना तौकीर रजा खां के मददगारों पर लगातार कार्रवाई जारी है। उनकी संपत्तियों का ब्योरा जुटाकर उन्हें या तो सील किया जा रहा है, या फिर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त। सोमवार को फरीदापुर चौधरी में सपा नेता का बरात घर बरेली विकास प्राधिकरण की टीम ने सील कर दिया। जिससे इलाके में खलबली मच गई। फरीदापुर चौधरी में सपा नेता वाजिद बेग का बरातघर है। जिस पर सोमवार को प्रशासन की निगाह टेढ़ी हो गई। सपा नेता वाजिद बेग मौलाना तौकीर रजा खां को पुलिस मौलाना तौकीर रजा खां का करीबी मान रही है। आरोप है कि मौलाना के आह्वान पर वाजिद बेग ने भीड़ जुटाई थी। जिसके बाद पुलिस ने दर्ज मुकदमे में इन्हें नामजद किया था। अब सोमवार को बीडीए की टीम फरीदापुर चौधरी पहुंची। बरातघर को सील कर दिया गया। बताया जा रहा है कि बरातघर का निर्माण अवैध रूप से किया गया था। भारी फोर्स रहा मौजूद बरेली विकास प्राधिकरण की टीम भारी फोर्स के साथ सीलिंग की कार्रवाई करने के लिए पहुंची। फरीदापुर चौधरी में टीम के दाखिल होते ही आसपास के लोगों में खलबली सी मच गई। हालांकि इस बीच किसी तरह का विरोध टीम को नहीं झेलना पड़ा। इन पर अब तक हुई कार्रवाई बरेली विकास प्राधिकरण की तरफ से अब तक मौलाना के कई करीबियों पर कार्रवाई की जा चुकी है। डॉ नफीस का बरातघर एक दिन पहले ही पूरी तरह ध्वस्त किया गया था। जबकि पीलीभीत बाइपास रोड स्थित आरिफ के तीन मैरिज लॉन सील कर किए गए थे। नरियावल में हाजी शराफत का हमसफर पैलेस और फाइक इनक्लेव में फरहत का घर सील किया गया था। इसके अलावा सिविल लाइंस पर मौजूद पहलवान साहब की दरगाह की दुकानों, नौमहला पर बनी नदीम की दुकानों को सील किया गया था।

बरेली विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण फरीदापुर चौधरी में बने बेग मैरिज हाल को किया सील

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / वीरसावरकर नगर स्थित कार के गैरेज के साथ साथ कोहाड़ापीर पर स्थित ई. स्कूटी एजेंसी को भी किया गया सील बरेली बरेली में बरेली विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध निर्माणो को सील किया गया जिसके अंतर्गत मौलाना तौकीर रजा के करीबी वाजिद बेग के बारातघर को बीडीए द्वारा सील किया गया। बरेली विकास प्राधिकरण द्वारा फ़रीदापुर चौधरी में बने वाजिद बेग पुत्र हुसैन बेग के बेग मैरिज हाल को सील कर दिया गया। बीडीए अधिकारियों ने इसी प्रकार वीरसावरकर नगर स्थित नाजिर खान के कार गैरेज को भी सील किया गया इसके साथ ही कोहाड़ापीर पर स्थित कय्यूम खान उर्फ मुन्ना की ई. स्कूटी एजेंसी को सील करने की कार्यवाही की गयी। बीडीए के अधिकारियो द्वारा बताया गया कि वाजिद बेग ने यह मैरिज हाल अवैध तरीके से बनाया था, इसी प्रकार कार गैराज व ई. स्कूटी की एजेंसी भी नियमानुसार नहीं है अतःभारी पुलिस बल की मौजूदगी में बरातघर, गैराज और एजेंसी को सील कर दिया गया है। मैरिज हाल पर नोटिस भी चस्पा किया है और चेतावनी दी कि अगर सील को तोड़ा या हटाया गया तो एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी और किसी अवैध निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह कार्य में बीडीए के अधिकारियों और भारी पुलिस बल की उपस्थिति में कार्य किया गया।

वबाल के सात आरोपी फरार, उपद्रवियों पर 15-15 हजार का इनाम घोषित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर में हुए बवाल-फायरिंग के प्रकरण में फरार चल रहे सात उपद्रवियों पर एसएसपी अनुराग आर्य ने रविवार की रात 15- 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। इनाम घोषित सभी आरोपी बवाल के बाद दर्ज किए मुकदमों में नामजद हैं। इसमें से तीन आरोपियों की बारादरी थाने में हिस्ट्रीशीट भी खुली हुई है। एसएसपी ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन भी कर दिया है। शहर में 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद बवाल हो गया था। इस्लामिया मैदान की तरफ से जा रहे लोगों को पुलिस ने खलील तिराहे के पास रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने पुलिस पर पथराव कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने लाठी चार्ज करके हालात को संभाला था। घटना का मास्टरमाइंड आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां को बनाया गया था। इस मामले में पुलिस की तरफ से कोतवाली, कैंट, बारादरी, प्रेमनगर और किला थाने में कुल 10 मुकदमे दर्ज किए थे। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि बवाल में फरार चल रहे 7 आरोपियों पर 15- 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। उनकी गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन किया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा। इन आरोपियों पर घोषित हुआ इनाम पुलिस की तरफ से रविवार की रात बारादरी के मदीना शाह इमाबाड़ा रोहली टोला निवासी साजिद सकलैनी, प्रेमनगर के शाहबाद निवासी अल्तमस रजा, किला के मलूकपुर निवासी अफजाल बेग, बारादरी के चकमहमूद निवासी नायाब उर्फ निम्मा, चक महमहमूद निवासी बबलू खान, नदीम, अदनान सकलैनी पर इनाम घोषित किया गया है। इसमें साजिद और अल्तमस बारादारी थाने से वांछित हैं, जबकि अफजाल बेग किला और बारादरी थाने से वांछित है। अनीस सकलैनी का गुरु नायाब उर्फ निम्मा, जबकि उसका खास गुर्गा बबलू खान, साथी नदीम बारादरी थाने के हिस्ट्रीशीटर हैं। वहीं नदीम सामूहिक दुष्कर्म मामले का भी आरोपी है। अदनान सकलैनी पर आरोप है कि उसने बवाल के लिए नई उम्र के लड़कों को भड़काया था।

हाई स्कूल की दो छात्राएं डूबी, एक की मौत, दूसरे की खोज में जुटे गोताखोर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सोमवार को हादसा हो गया है। फरीदपुर के खल्लपुर गांव के पास रामगंगा नदी में नहाने गई हाई स्कूल की दो छात्राएं डूब गईं। एक छात्रा को खोज लिया। फरीदपुर सीएचसी लाते समय उसकी मौत हो गई। जबकि दूसरी छात्रा को नहीं खोजा जा सका। गोताखोरों की टीम नदी में छात्रा को खोजने पर जुटी है। पुलिस बल के साथ राजस्व मौके पर है। फरीदपुर के सितारगंज उर्फ महमूदपुर गांव के राजू की 16 वर्षीय की बेटी पूनम एवं राधेलाल की 16 वर्षीय बेटी अनीता लाइन पार मठिया के अलबेले सिंह इंटर कॉलेज में हाई स्कूल की छात्राएं हैं। परिजनों ने बताया सोमवार को सुबह 9ः00 गांव की कई लड़कियों के साथ दोनों छात्राएं खल्लपुर गांव के पास नदी में नहाने गई थी। नदी में नहाते समय पूनम और अनीता का पैर गहरी खाई में फिसल गया। जिसके बाद दोनों डूब गई। साथी लड़कियों ने दोनों को डूबता देख चीख पुकार शुरू कर दी। वह दौड़ते हुए गांव पहुंची। उन्होंने पूनम और अनीता के डूबने की सूचना ग्रामीणों को दी। गांव के सैकडों लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पुलिस टीम को मौके पर बुलाया। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर राधेश्याम पुलिस टीम को लेकर मौके पर पहुंच गए। उन्होंने तत्काल गोताखोरों को बुलाया। रामगंगा नदी में डूबी हुई छात्रों को खोजने का कार्य शुरू कराया। एक घंटे मशक्कत के बाद पूनम को बेहोशी हालत में पानी के तेज बहाव के बीच से निकाल लिया गया। पूनम को सीएचसी लाया गया। जहां के डॉक्टरों ने पूनम को मृत घोषित कर दिया। जबकि अनीता को नहीं खोजा सका। गोताखोरों की टीम अनीता को खोजने पर जुटी है। गांव में चीख पुकार मची हुई है। इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया की छात्रा को खोजने के लिए गोताखोरों की टीम प्रयासरत है।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर एक साल तक करता रहा दुष्कर्म, गर्भवती होने पर हुआ खुलासा – आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को चांदनी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला चांदनी बिहरपुर थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता नाबालिग है, जिसे आरोपी ने प्रेम और शादी का झांसा देकर अपने जाल में फंसा लिया था। आरोपी करीब एक वर्ष तक लगातार नाबालिग के साथ दुष्कर्म करता रहा। इस बीच पीड़िता गर्भवती हो गई और कुछ महीने पहले उसने एक बच्ची को जन्म दिया। गांव के लोगों और परिजनों को जब इस पूरे मामले की जानकारी हुई तो उन्होंने तत्काल चांदनी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट मिलते ही पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान नाबालिग का चिकित्सीय परीक्षण (मेडिकल एग्ज़ामिनेशन) कराया गया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376 (दुष्कर्म), 506 (धमकी), तथा पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। थाना प्रभारी चांदनी ने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था, लेकिन लगातार की जा रही पुलिस की सक्रियता और गुप्त सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है। इस पूरे मामले ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि इस तरह के अपराधियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए ताकि समाज में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। पुलिस ने पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा का आश्वासन दिया है तथा महिला एवं बाल सुरक्षा इकाई को भी इस मामले में शामिल किया गया है ताकि पीड़िता को न्याय दिलाया जा सके। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और पुलिस इस पूरे अपराध के पीछे की परिस्थितियों की गहराई से जांच कर रही है। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहरपुर क्षेत्र से आई ये खबर समाज को झकझोर देने वाली हैॻ शादी का झांसा देकर नाबालिग से एक साल तक दुष्कर्म करने वाले आरोपी को आखिरकार चांदनी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैॻ फिलहाल आरोपी सलाखों के पीछे है और पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

वाल्मीकि सद्भावना मेले में एक्टर मुकेश जे भारती और निर्माता मंजू भारती स्टार नाइट में बिखेरेंगे चमक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। वाल्मीकि सद्भावना मेला के दौरान हर साल की तरह इस साल भी स्टार नाइट का आयोजन किया जा रहा है। इस बार मेले में अभिनेता मुकेश जे भारती और फिल्म निर्माता मंजू भारती मेले का खास आकर्षण होने वाले हैं। बरेली आने से पहले दोनों ही स्टार्स ने खुशी का इजहार किया। 45वां वाल्मीकि सद्भावना मेला 6 से 8 अक्टूबर तक जाटवपुरा स्थित परंपरागत मेला ग्राउंड पर आयोजित किया जा रहा है। जिसमें अभिनेता मुकेश जे भारती व निर्माता मंजू भारती 7 अक्टूबर को शिरकत करेंगे। अभिनेता मुकेश जे भारती व निर्माता मंजू भारती ने मेले के अध्यक्ष मनोज थपलियाल व मेला कमेटी के पदाधिकारियों को उन्हें आमंत्रित करने के लिए शुक्रिया अदा किया। कार्यक्रम को लेकर काफी उत्सुकता जताई।

मौलाना और उसके करीबियों ने आईएमसी की आड़ में खड़ा किया अवैध संपत्तियों का साम्राज्य

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मौलाना तौकीर और उसके करीबियों ने इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) की आड़ में अवैध संपत्तियों का साम्राज्य खड़ा कर रखा है। अब इन संपत्तियों पर प्रशासन की निगाह है। मौलाना के कुछ करीबियों की संपत्तियों पर सोमवार को बीडीए और नगर निगम का बुलडोजर चल सकता है। इस बीच मौलाना की ऐसी संपत्तियां चिह्नित की जा रही हैं, जिनका निर्माण स्वीकृत मानचित्र के विपरीत हुआ है।

फंदे से लटके मिले फरार प्रेमी प्रेमिका के शव

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। एक युवक नौ दिन पहले प्रेमिका को उसके घर से भगा ले गया। तब से ही दोनों लापता था। परिवार वालों ने थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। नौ दिन बाद दोनों के शव संदिग्ध हालात में पेड़ से लटके मिले। इसकी खबर लगते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके मौके पर पहुंची। जांच-पड़ताल के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। एसपी साउथ अंशिका वर्मा ने मौके का निरीक्षण करके फरीदपुर इंस्पेक्टर को जांच करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मामला फरीदपुर के ढढुंली गांव का है। यहां के रहने वाले 21 साल के लड़के का गांव की 16 वर्षीय लड़की के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। 27 सितंबर को युवक लड़की को उसके घर से भगा लिया। लड़की के पिता ने युवक पर 28 सितंबर को बेटी के अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस दोनों की तलाश करती रही, लेकिन दोनों का कुछ नहीं पता चला। सोमवार को ढढुंली गांव के लोग खेत पर काम करने जा रहे थे। उन्होंने गांव से बाहर जंगल में घर से भागे दोनों प्रेमी-प्रेमिका का शव पेड़ पर लटके देखे। खबर लगते परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में सेल्फ डिफेंस कार्यशाला कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नम्बरों की दी जानकारी बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा के निर्देशानुसार मिशन शक्ति-5.0 अभियान के अंतर्गत हरविंदर कौर व शारीन जेंडर स्पेशलिस्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय विकास खण्ड नवाबगंज में सेल्फ डिफेंस कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विकास खण्ड स्तर पर बच्चों की सुरक्षा के विषय पर छात्राओं को जागरूक किया गया। विद्यालय की छात्राओं को हरविंदर कौर एवं शारीन जेंडर स्पेशलिस्ट के द्वारा कार्यक्रम में कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के साथ ही महिला थाना द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत छात्राओं को हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी गयी, जिसमें मुख्यतः 1098-चाइल्ड हेल्पलाइन, 112-आपातकालीन सेवाएं, 1090-वूमेन पावर लाइन 101-फायर विग्रेड आदि महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी गयी और आत्मरक्षा करना सिखाएं, बेटियों को आत्मरक्षा करने का गुण जरूर सिखाएं। उन्हें मार्शल आर्ट्स, कराटे या किसी और तरह की कोई आत्मरक्षा की तकनीक सिखाएं। इन्हें सीखकर वे अपने आप को किसी भी खतरे से बचा सकती है। आत्मरक्षा से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वो किसी भी खतरे की स्थिति से खुद की रक्षा कर सकती हैं। कार्यक्रम में विद्यालय की वार्डन सपना पांडे व विद्यालय की अध्यापिका आदि उपस्थित रहे।

62वीं वाहिनी एसएसबी द्वारा सीमावर्ती ग्रामीण महिलाओं हेतु सिलाई प्रशिक्षण एवं युवाओं के लिए इलेक्ट्रिशियन कोर्स व मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमान्डेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के नेतृत्व में सीमावर्ती ग्रामीणों के आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्थान

की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं के लिए 21 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण तथा बेरोजगार युवाओं के लिए 15 दिवसीय इलेक्ट्रिशियन कोर्स का शुभारंभ विधायक भिनगा श्रीमती इन्द्राणी वर्मा के कर-कमलों द्वारा किया गया। इसके साथ ही सीमावर्ती ग्रामीणों के स्वास्थ्य कल्याण हेतु निःशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर एसएसबी अकादमी भोपाल से नव प्रशिक्षु 8 सहायक कमान्डेंट भी उपस्थित रहे, जिन्होंने एसएसबी द्वारा संचालित सीमावर्ती कल्याण कार्यक्रमों को नजदीक से देखा और समझा। कार्यक्रम में वाहिनी के अधिकारी, जवान तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति ने आयोजन को भव्यता प्रदान की। माननीय विधायक श्रीमती इन्द्राणी वर्मा ने एसएसबी के इस प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि एसएसबी न केवल सीमाओं की सुरक्षा कर रही है, बल्कि सीमावर्ती समाज को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है। कमान्डेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने बताया कि 62वीं वाहिनी का उद्देश्य केवल सीमा सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण विकास, कौशल प्रशिक्षण और जनकल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से सीमावर्ती समाज के समग्र विकास में योगदान देना है।

एसआरपी इंटर कालेज में छात्राओं को उनके भविष्य के बारे में जानकारी दी

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) स्वर्गीय राम प्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट के तत्वाधान में आज नगर की पुरानी संस्था एस आर पी इंटर कॉलेज में कक्षा बारह में अध्यनरत छात्र छात्रा ओं को मोटिवेशनल स्पीच के माध्यम से उनको उनके भविष्य के गोल के बारे में ट्रस्ट के डायरेक्टर इंजीनियर राजीव कुमार रेजा ने विस्तार से बतलाया उन्होंने कहा कि आपको

अपने भविष्य का गोल निर्धारित करना चाहिए ताकि आप अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके आपने जो गोल निर्धारित किया है उस पर ही अटल रहे अपने गोल को बार बार ना बदले इस अवसर पर बोलते हुए ट्रस्ट के संरक्षक ब्रज वल्लभ सेंगर ने कहा कि हमें अपनी क्षमता का खुद आकलन करना चाहिए उसी के हिसाब से हमें अपनी पढ़ाई एवं अपना गोल निर्धारित करना चाहिए हमें अपने वजन के आकलन के हिसाब से ही वजन को उठाना चाहिए यदि आप पुलिस में भर्ती योग्य है तो उसकी तैयारी करें यदि उसके योग्य नहीं है तो उसकी तैयारी ना करें साथ ही साथ हमें गूगल प्रणाली को छोड़कर गुरु की पद्धति को अपनाना है इस अवसर पर सोहिल सर ने उपस्थित छात्राओं के मध्य कहा की आपको जो भी क्षेत्र चुनना है और जिस भी क्षेत्र के विषय में आपको कोई जान कारी करनी है तो वह आप मुझसे आकर ले सकते हैं इस अवसर पर एसआरपी इंटर कॉलेज के शिक्षक एस पी सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वर्गीय राम प्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट वाकई एक शानदार कार्य कर रहा है मुझे आज बहुत प्रसन्नता है कि ट्रस्ट के माध्यम से आज सेंगर साहब और रेजा जी ने हमारे स्कूल के छात्रों को बहुत महत्वपूर्ण जानकारियां दी इस अवसर पर मैथिली सर भी उपस्थित रहे आए हुए सभी अतिथियों का आभार विद्यालय के अध्यापक अतुल ने व्यक्त किया

चांदनी बिहारपुर महाविद्यालय में हुआ स्वेच्छिक रक्तदान शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर महाविद्यालय में हुआ स्वेच्छिक रक्तदान शिविर – युवाओं में दिखा उत्साह, 20 से अधिक ने किया रक्तदान सूरजपुर/ सामाजिक सरोकार और मानवता के प्रतीक के रूप में आज सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते के मार्गदर्शन में आयोजित धीरेंद्र कुमार जायसवाल की विशेष उपस्थिति रही। जागरूकता फैलाना, रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर रहा। आयोजन समिति ने बताया कि आज के दौर में बचाता है बल्कि दानकर्ता के स्वास्थ्य के लिए भी दीपक तिवारी द्वारा रक्तदान कर किया गया। दीपक प्रेरणादायक उदाहरण का असर यह रहा कि एक के 20 से अधिक रक्तदाताओं ने इस शिविर में स्वेच्छा से अमन भगत, स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर के श्री तपेश्वर, केंद्र भैयाथान के जयप्रकाश वर्मा की टीम ने अहम तक सभी आवश्यक व्यवस्थाएं संभालीं। महाविद्यालय देखा गया। कार्यक्रम में सचिन मिंज, पिंटू कुमार रहे। वहीं छात्रों में शिवम तिवारी, भारत सिंह, आशुतोष केवल रक्तदान किया बल्कि आयोजन की व्यवस्थाओं कि रक्तदान को लेकर लोगों के मन में फैली भ्रांतियों कहा, रक्तदान सबसे बड़ा दान है। यह मानवता की एक बार रक्तदान जरूर करना चाहिए। रेड रिबन संगठन युवा समाज में जागरूकता लाने की दिशा में अग्रणी भावना को जीवित रखते हैं, बल्कि इससे जरूरतमंदों

स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में स्वेच्छिक रक्तदान शिविर चिकित्सालय सूरजपुर के दिशा-निर्देशन में तथा महाविद्यालय के हुआ। कार्यक्रम में रेड क्रॉस एवं रेड रिबन संगठन के जिला संयोजक शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्रों एवं आम नागरिकों में रक्तदान के प्रति करना और समाज में निःस्वार्थ सेवा की भावना को बढ़ावा देना रक्तदान एक ऐसा पुनीत कार्य है जो न केवल जरूरतमंद की जान लाभदायक होता है। शिविर का शुभारंभ बी.ए. अंतिम वर्ष के छात्र तिवारी के इस कदम ने छात्रों में उत्साह का संचार किया और उनके बाद एक छात्र-छात्राएं आगे आकर रक्तदान करने लगे। कुल मिलाकर रक्तदान किया। शिविर को सफल बनाने में मेडिकल ऑफिसर डॉ. जिला चिकित्सालय सूरजपुर के चिकित्सा स्टाफ, तथा स्वास्थ्य भूमिका निभाई। पूरी टीम ने रक्त संग्रहण से लेकर सुरक्षा प्रोटोकॉल के शिक्षकों एवं कर्मचारियों में भी इस शिविर को लेकर उत्साह गुप्ता, रामनिवास सहित अन्य स्टाफ सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित बैस, रवीना साहू, निभम जायसवाल सहित कई छात्र-छात्राओं ने न में भी सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने कहा को दूर करना बेहद आवश्यक है। प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते ने सेवा का सर्वोत्तम उदाहरण है। हर व्यक्ति को जीवन में कम से कम के धीरेंद्र कुमार जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज के भूमिका निभा रहे हैं। रक्तदान जैसे आयोजन न केवल मानवता की को जीवनदान भी मिलता है। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी रक्तदाताओं एवं चिकित्सा कर्मियों का सम्मान किया गया। आयोजकों ने सभी को नियमित रूप से इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। रक्तदान शिविर के सफल आयोजन से महाविद्यालय परिसर में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण देखने को मिला। यह आयोजन न केवल एक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम साबित हुआ, बल्कि समाज में यह संदेश भी दिया कि रक्तदान – सबसे बड़ा मानव धर्म है।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण करें – कलेक्टर

क्यूँ न लिखूँ सच / समस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी- कलेक्टर चौधरी शिवपुरी,(ब्यूरो) कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की मंशा नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है, इसलिए अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएं और लंबित प्रकरणों का

प्राथमिकता से निपटान करें। बैठक में अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, संयुक्त कलेक्टर जे.पी. गुप्ता, एसडीएम शिवपुरी आनंद राजावत, डिप्टी कलेक्टर तथा अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने जिन विभागों में सीएम हेल्पलाइन प्रकरण अधिक लंबित हैं, उन अधिकारियों को व्यक्तिगत मॉनिटरिंग कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य शाखा एवं जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि पीडीएस उठाव की प्रक्रिया में तेजी लाएं तथा नान के साथ समन्वय स्थापित कर मैपिंग व भुगतान संबंधी कार्य शीघ्र पूर्ण करें। कलेक्टर ने कहा कि यदि मैपिंग में देरी से वितरण या भुगतान प्रभावित हुआ है, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। इसके लिए उन्होंने अपर कलेक्टर को प्रकरण की समीक्षा कर दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर चौधरी ने सभी अधिकारियों को कर्मयोगी-ड्डतह्लञ्ज पोर्टल पर पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही, अधीक्षक भू-अभिलेख शिवपुरी को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लंबित पंजीयन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु निर्देशित किया। इसके अलावा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शिवपुरी को संबल योजना, प्रसूता भुगतान तथा आयुष्मान कार्ड से संबंधित लंबित प्रकरणों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर चौधरी ने कहा – जनता की शिकायतों का समय पर समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

वार्ष्णेय युवा संगठन, महानगर अलीगढ(रजि0) के वी पी एल सीजन 2 का फाइनल मैच वी पी एल माधव इंडियंस टीम ने 8 विकेट से जीता, मनीष अजगर बने प्लेयर ऑफ द मैच

वार्ष्णेय युवा संगठन, महानगर अलीगढ़ (रजि0) द्वारा आयोजित क्रिकेट लीग वी पी एल सीजन – 2 के अन्तर्गत स्थानीय ईडन पार्क, मडराक, अलीगढ़ के क्रिकेट ग्राउंड पर दूधिया रोशनी में हुए फाइनल मैच में वी पी एल गंगा शिवालिक और वी पी एल माधव इंडियंस के मध्य रोमांचक मुकाबला हुआ । वार्ष्णेय युवा संगठन महानगर अलीगढ (रजि0) के सलाहकार भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक के अनुसार वी पी एल माधव इंडियंस के कप्तान मनीष अजगर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया । जो सही साबित हुआ । इस फ़ाइनल मैच की खास बात यह रही कि टॉस सोने के सिक्के से उछाला गया जो अलीगढ़ के इतिहास में पहली बार हुआ । सोने के सिक्के के प्रायोजक रहे धनंजय वार्ष्णेय भैय्यन ज्वैलर्स । मैदान पर पहले बैटिंग करने उतरी वी पी एल गंगा शिवालिक टीम के खिलाड़ीयों ने बहुत धीमी शुरुआत की । 15 ओवर के मैच में 8 विकेट के नुकसान पर केवल 82 रन बनाये । लो स्कोरिंग वाले इस फाइनल फाइनल मैच में लक्ष्य का पीछा करने उतरी माधव इंडियंस टीम ने 11.5 ओवर में ही 2 विकेट खोकर 85 रन बना लिए और यह फाइनल मैच माधव इंडियंस टीम 8 विकेट से जीत गई । प्लेयर ऑफ द मैच मनीष अजगर को 112 साल की बुढ़िया की घुट्टी के एम डी नितिन घुट्टी की ओर से 1100 रुपए का चेक प्रदान किया गया । मनीष अजगर ने 16 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 29 रन बनाए और 4 ओवर में 10 रन देकर 1 विकेट भी लिया । इलेक्ट्रिक प्लेयर ऑफ द मैच गंगा शिवालिक टीम के तनीषक वार्ष्णेय युवा जोश को दिया गया। मैच का शुभारंभ संगठन के चेयरमैन नितिन घुटी, संस्थापक अध्यक्ष विष्णु भैया, एडवोकेट आकाशदीप वार्ष्णेय, भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक, अनिल अन्नू, कमल कांत वार्ष्णेय , मनोज गुप्ता, नकुल गुप्ता , सुमित गोटेवाल , अमित कोल, प्रमोद जलाली, गौरव कोल्ड, विशाल वार्ष्णेय बंटी , प्रदीप यमुना एक्सपोर्ट ने अक्रूर जी की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया । इस मैच में खास बात यह रही कि प्रत्येक चौके और छक्के पर चीयर लीडर्स भारतीय परिधानों में खिलाड़ियों में जोश भर रही थीं । मैच के आखिरी मे आतिशबाज़ियों ने आसमान को भर दिया रोमांच से भरपूर इस फ़ाइनल मैच को देखने के भारी संख्या में दर्शक पहुंचे । सलाहकार आकाशदीप वार्ष्णेय, भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक, अध्यक्ष धनंजय वार्ष्णेय ज्वेलर्स , महामंत्री मनोज गुप्ता लकी, ज्वाइंट सेक्रेट्री रोहित पीतल, कोषाध्यक्ष आकाश भैया जी, संयोजक लव वार्ष्णेय, गौरांग वार्ष्णेय स्टील ने सभी अतिथियों का स्वागत पटका पहनाकर किया । मैच का सीधा प्रसारण क्रिक हीरो ऐप के जरिए जितेंद्र टी डी के सहयोग से किया गया । इस अवसर पर नितिन घुट्टी, विष्णु भैया, एडवोकेट आकाशदीप वार्ष्णेय, भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक, धनंजय वार्ष्णेय (भइय्यन ज्वैलर्स), मनोज गुप्ता लकी, रोहित पीतल, आकाश भैया, गौरांग वार्ष्णेय स्टील, लव वार्ष्णेय, अर्जुन वार्ष्णेय, अंकुश राजाजी, आशु गैस आदि उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

जयपत्तपुरवा गांव में खड़ंजा मार्ग बदहाल

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती विकास क्षेत्र जमुनहा के ग्राम पंचायत सुजानडीह के मजरा जयपत्तपुरवा गांव में खड़ंजा मार्ग बदहाल हो गया है। मार्ग की ही जलभराव व कीचड़ की स्थिति बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदारों की ओर से समस्या पर बिलकुल भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बारिश में लोगों की समस्या और बढ़ गई है। रास्ते पर आने जाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कीचड़क होने से लोग फिसल कर गिर रहे हैं। लोगों का कहना है कि खड़ंजा पुराना हो चुका है। इंटरलाकिंग सड़क का निर्माण कराए जाने की जरूरत है। जिससे समस्या का समाधान हो जाएगा।

वन्य जीव प्राणी सप्ताह गोष्ठी का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती प्रभागीय वन अधिकारी के निर्देशन में वन्य जीव प्राणी सप्ताह के अवसर पर ककरदरी रेंज में जगपती धाम माता मंदिर राप्ती बैराज पर वन्य जीव के अधिकार व वन्यजीव मानव संघर्ष के प्रति लोगों को जागरूक किया गया तथा प्लास्टिक के प्रयोग के दुष्परिणाम पर भी प्रकाश डाला गया साथ ही तहत प्रांगण की साफ सफाई करके भी जागरूक किया गया मौके पर मंदिर की महंत रीतागीरी पट्टू ,मंदिर के सेवादार, वन दरोगा बृजलाल यादव, वन दारोगा रामचंद्र मौर्य,वनरक्षक अभिषेक सिंह, वन रक्षक सुधीर कुमार मिश्र, वन रक्षक शेषमणि मिश्र, वन रक्षक विपिन कुमार , वन विभाग के अन्य कर्मचारी तथा ग्रामीण उपस्थित रहे । उपस्थित लोगों को वन विभाग के वन दरोगा रामचंद्र मौर्य ने बताया कि सभी लोगों वन जीव प्राणी की सुरक्षा करना दायित्व है तथा वनों की सुरक्षा वन ग्रामों के वसींदों को करना चाहिए तथा वन विभाग के द्वारा समय-समय पर ग्रामों में रह रहे लोगों को जागरूक करना चाहिए जिससे वन जीव प्राणी व पेड़ पौधों की सुरक्षा हो सके ।

भिन्गा मुख्यालय से परसा मार्ग क्षतिग्रस्त सड़क मरम्मत की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती भिनगा मुख्यालय से परसा मार्ग पूरी तरह गढ्ढे में तब्दील, व क्षतिग्रस्त हो गई है। जहां रास्ते भर में बड़े बड़े गढ्ढे होने के कारण आए दिन छोटी बड़ी दुर्घटनाएं होती। इस

मार्ग की मरम्मत को लेकर कई बार स्थानीय लोगों ने संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर भिनगा परसा मार्ग की मरम्मत की मांग किया है। किंतु कोई सुनवाई नहीं हुई। जानकारों की माने तो 24 किमी सड़क का निर्माण प्रधानपंत्री सड़क योजना के तहत निर्माण हुआ था। जहा सड़क का निर्माण होते ही एक वर्ष के अंदर उजाड़ने लगी थी। उक्त प्रकरण पर बीच बीच में सड़क की मरम्मत का कार्य होता रहा और सड़के टूटती और बनती रही। लेकिन पिछले वर्ष से इस सड़क का मरम्मत कराया ही नहीं गया। जिससे आज सड़क की दयनीय स्थिति देखने योग्य है। गौर तलब हो इस मार्ग से सैकड़ों ग्राम वासिया को का आना जाना। भिनगा मुख्यालय से परसा, जमुनहा और राप्ती बैराज तक जाने वाली सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर होगा अखण्ड रामायण पाठ – जिलाधिकारी ने की तैयारियों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ महर्षि वाल्मीकि जयंती (07 अक्टूबर 2025) के अवसर पर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जनपद जालौन के सभी देव मंदिरों में अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन भव्यता एवं श्रद्धा के साथ किया जाएगा। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि आदि कवि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण भारतीय संस्कृति, सामाजिक, मानव एवं राष्ट्रीय मूल्यों की अमूल्य धरोहर है। इस अवसर पर जिले में स्थित प्रमुख मंदिरों, वाल्मीकि स्थलों

एवं धार्मिक स्थलों पर दीप प्रज्वलन, दीपदान तथा 8, 12 अथवा 24 घंटे का अखण्ड पाठ कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक तहसील एवं विकास खंड स्तर पर समितियों का गठन किया गया है जो आयोजन की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, ध्वनि एवं सुरक्षा व्यवस्था समय से पूरी कर ली जाए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु कलाकारों व भजन मंडलियों का चयन कर लिया गया है। संबंधित अधिकारी संस्कृति विभाग के पोर्टल पर आयोजन से जुड़ी जानकारी, फोटो एवं विवरण अपलोड करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश स्तरीय महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। अतः सभी अधिकारी विभागीय समन्वय के साथ कार्यक्रम को भव्य, अनुशासित एवं गरिमामय ढंग से सम्पन्न कराएं। उन्होंने अपील की कि जनपदवासी बड़ी संख्या में भाग लेकर महर्षि वाल्मीकि जी के आदर्शों से प्रेरणा लें और समाज में भाईचारे, सत्य और सदाचार के मूल्यों को स्थापित करने में सहभागी बनें।

रावण वध के उपरांत मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामका आगमन हुआ

भगवान राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न और भार्या सीता का स्वागत किया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) अधर्मी रावण और मेघनाद का वध करने के उपरांत मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम अयोध्या वापिस लौट कर आते तो नगर वासी उनके स्वागत में तैयार रहते है यहां कोंच में धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित श्री राम लीला समिति द्वारा राम लीला में दशहरा के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम अनुज लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न और भार्या सीता के राम रथ पर

नगर के मोहल्ला जय प्रकाश नगर में भव्य स्वागत किया गया भगवान श्री राम पत्रकार लाल सिंह यादव के आवास पर पहुंचे जहां उनके परिजनों ने भगवान के दर्शन किये और फिर ब्यारु की ओर फिर तिलक कर आरती उतारी और चरण वंदन कर आशीर्वाद ग्रहण किया इस अवसर पर श्री मति सुशीला देवी समाज सेवी अवध यादव श्री मति पुष्पा देवी औरैया नगर पालिका परिषद के सभासद विनोद यादव श्री मति मुनिया यादव राजेश्वरी देवी शोभना सिंह राघवेंद्र यादव सभासद माधव यादव सोनाली सिंह आदर्श प्यारे यादव पीयूष यादव अशंका तनु यादव शैलजा सिंह सुरभि यादव युवराज सिंह टिंचू राघवेंद्र तिवारी चुनना बाबा ठाकुर दास कुशवाहा मनोज याज्ञिक मुरारी तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे रात में भगवान का गस्त होता रहा और मोहल्ले वासियों द्वारा जगह जगह पर तिलक कर आरती उतारी गई

जिले की ये चार प्रमुख सड़कें होंगी चौड़ी, 39 करोड़ रुपये मंजूर

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत दीपावली से पहले पीलीभीत के लोगों को बेहतर यातायात सुविधा का तोहफा मिला है। केंद्रीय राज्यमंत्री एवं स्थानीय सांसद जितिन प्रसाद की पहल

पर प्रदेश सरकार ने जिले की चार अहम सड़कों के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण लिए 39 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि मंजूर की है।सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी परियोजनाओं को तय समय सीमा और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाए। इन मार्गों के दुरुस्त होने से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि दुर्घटनाओं में कमी और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। मंजूर की गई परियोजनाओं में बरखेड़ा दौलतपुर-उगनपुर-सुहास मार्ग (बरखेड़ा दौलतपुर से पिपरामंडन बुहिता परेई नहर तक, 1 से 7 किमी) के लिए 9.46 करोड़ रुपये, शाही-हांडा-जहानाबाद मार्ग के लिए 9.72 करोड़ रुपये, भीकमपुर-पसगवां-मीरपुर-हेमपुरा-गौहनिया मार्ग के लिए 14.81 करोड़ रुपये, बीसलपुर-खुदागंज मार्ग के लिए 4.11 करोड़ रुपये शामिल हैं।इन चारों मार्गों पर कुल मिलाकर 39 करोड़ 54 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। सांसद जितिन प्रसाद ने स्वीकृति पर मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा, यह सरकार की मंशा है कि पीलीभीत जनपद के लोगों को बेहतर सड़क सुविधा मिले। इन मार्गों के बनने से आम जनता का जीवन आसान होगा और क्षेत्र का विकास नई गति पकड़ेगा। इससे पहले लंबे समय से सांसद द्वारा जर्जर सड़कों के चौड़ीकरण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। अब मंजूरी मिलने से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर है।

जिलाधिकारी ने किया राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बैंकर्स कार्यशाला का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ एक माह में स्वयं सहायता समूहों को बैंक क्रेडिट लिंकिंग का लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन.आर.एल.एम.) के अंतर्गत आज जिला ग्राम्य विकास प्रशिक्षण संस्थान, बोहदपुरा में बैंकर्स उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिलाधिकारी ने कार्यशाला में उपस्थित समस्त बैंकों के शाखा प्रबंधकों को निर्देशित किया कि एक माह के

भीतर सीएम युवा एवं स्वयं सहायता समूहों को बैंक क्रेडिट लिंकेज का लक्ष्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि बैंकों को अपना सीडी रेशियो सुधारने के लिए सक्रिय प्रयास करने चाहिए। वित्तीय वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शाखा प्रबंधकों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला में एनआईआरडी हैदराबाद से आए नेशनल रिसोर्स पर्सन ओम प्रकाश खाखेर एवं जितेन्द्र यादव ने प्रतिभागियों को एनआरएलएम एवं बैंक क्रेडिट लिंकेज से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में समूह की महिलाएं रोजगार कर रही हैं, किंतु पूंजी के अभाव में अपने कार्य का विस्तार नहीं कर पा रहीं। इसीलिए शासन की प्राथमिकता है कि उन्हें बैंक क्रेडिट लिंकेज के माध्यम से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। ओम प्रकाश खाखेर ने कहा कि 卐यदि किसी गांव में अधिक समूहों को सीसीएल प्रदान करना है, तो शाखा प्रबंधक स्वयं गांव जाकर कार्यवाही पूरी करें, ताकि महिलाओं को बार-बार बैंक न आना पड़े। कार्यशाला में बैंक सखियों द्वारा बैंक क्रेडिट लिंकेज में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं को साझा किया गया। उपायुक्त (स्वरोजगार) अखिलेश तिवारी ने बैंकर्स को निर्देश दिए कि समूह की महिलाओं को किसी प्रकार की परेशानी न दी जाए तथा उनके कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। कार्यक्रम में अग्रणी जिला प्रबंधक, इंडियन बैंक, वरिष्ठ प्रबंधक यूपी ग्रामीण बैंक, जिला मिशन प्रबंधक, ब्लॉक मिशन प्रबंधक सहित विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक एवं बैंक सखियां उपस्थित रहीं।

पीलीभीत के इस रेलवे स्टेशन पर एयरपोर्ट जैसी सुरक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत आपने अक्सर एयरपोर्ट्स को देखा होगा, जिन्हें सुरक्षा कारणों से किसी आर्मी कैंट की तरह कड़ा सुरक्षा घेरे में रखा जाता है। लेकिन पीलीभीत का एक रेलवे स्टेशन ऐसा है, जो सामान्य ट्रेनें ही संभालता है, फिर भी इसे एयरपोर्ट जैसी सुरक्षा व्यवस्था से लैस किया गया है। यह स्टेशन है माला रेलवे स्टेशन, जो पीलीभीत-लखनऊ रेलखंड पर स्थित है। पीलीभीत का माला रेलवे स्टेशन देखने में एक आम

स्टेशन की तरह है, जहां से सिर्फ सामान्य ट्रेनें गुजरती हैं। न ही कोई वीआईपी आता है, न आसपास कोई मूल्यवान वस्तु है और न ही यह किसी आर्मी कैंट के पास है। फिर भी इस स्टेशन पर सुरक्षा इंतजामों की दृष्टि से ऐसा माहौल है जैसे कोई एयरपोर्ट हो। यह देख कर अंदाज़ा लगाना मुश्किल होता है कि यह सिर्फ एक सामान्य रेलवे स्टेशन है। कुछ साल पहले तक पीलीभीत-लखनऊ रेलखंड मीटरगेज के जरिए कनेक्ट हुआ करता था। लेकिन समय बीतने के साथ इस रेलखंड पर गेज परिवर्तन का कार्य किया गया। अब यह रेलखंड ब्रॉडगेज जरिये से लखनऊ तक जुड़ा है। यह रेलखंड पीलीभीत टाइगर रिजर्व की माला रेंज के घने जंगलों से होकर गुजरता है। ऐसे में कई वर्षों तक गेज परिवर्तन का कार्य प्रभावित भी रहा था। कई साल तक मामला ठंडे बस्ते में पड़े रहने के बाद जंगल में वन्यजीवों की सुगम आवाजाही के लिए अंडरपास बनाने से लेकर कई शर्तों के बाद लगभग 10 किलोमीटर लंबे इस रेलखंड पर कार्य सुचारू हो सका।दरअसल पीलीभीत का माला रेलवे स्टेशन साल के घने जंगलों के मध्य स्थित है। वहीं इस वन रेंज में वन्यजीवों का जनसंख्या घनत्व भी अच्छा खासा है। ऐसे में रेलवे स्टेशन आने वाले यात्री और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिहाज से कई एहतियात बरते जाते हैं। इस रेलखंड पर ट्रेनों को महज 10 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से गुजारा जाता है। वन्यजीव जंगल से रेलवे स्टेशन परिसर साथ ही रेलवे स्टेशन से यात्री जंगल में प्रवेश न करने पाएं इसके लिए स्टेशन को चारों ओर से लगभग 1 किलोमीटर तक लगभग 9 फीट ऊंचे चेन लिंक फेंस से कवर किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

परेश मिश्रा का फूल माला पहनकर भव्य स्वागत किया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा /सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट परेश मिश्रा बार काउंसलिंग ऑफ उत्तर प्रदेश सोमवार तहसील परिषद नगर कोच में

पधारे प्रवेश मिश्रा एडवोकेट संजीवतिवारी के ऑफिस में पर आज उनका फूल माला पहनकर भव्य स्वागत किया गया है पूर्व अध्यक्ष संजीव तिवारी ने आए हुए अतिथियों को सभी अपने समस्त अधिवक्ताओं मुलाकात करवाई आए हुए अतिथियों में नीरज पाठक एडवोकेट अनुराग दूरवार एडवोकेट राजेश तिवारी एडवोकेट नितिन एडवोकेट वही स्वागत क्रम में मनोज दूरवार एडवोकेटशुभ्रांत सी रोटियां एडवोकेट कुंवर रामबाबू एडवोकेट प्रदीप मिश्रा मंत्री विनोद अग्निहोत्री एडवोकेट राकेश तिवारी अशोक तिवारी एडवोकेट राम बिहारी एडवोकेट एडवोकेट मुंशी राजेंद्रआदि मौजूद रहे

टैक्स चोरी की आशंका, शुभम बैटरी पर जीएसटी का छापा

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत पीलीभीत में एक बैटरी कारोबारी के यहां जीएसटी की एसआईबी यूनिट ने छापा मारा। बैटरी कारोबारी के यहां टैक्स

चोरी पकड़ी गई है। 10 घंटे चली कार्रवाई के बाद एसआईबी यूनिट जरूरी दस्तावेजों को अपने साथ ले गई। जिनकी जांच के बाद अब टीम अग्रिम कार्रवाई करेगी। शहर के स्टेशन रोड पर पुराना बीसलपुर बस स्टैंड के पास शुभम बैटरी पर जीएसटी के एसआईबी यूनिट के उपायुक्त अनिरुद्ध सिंह व उनकी टीम ने छापा मारा। तीन गाड़ियों से पहुंची जीएसटी टीम को देखकर आसपास के दुकानदार दुकान बंदकर भाग खड़े हुए। लगभग दस घंटे चली जांच में करोड़ों रुपये के हेर फेर का मामला सामने आया है। बीते पांच साल में सौ करोड़ का माल बेच चुके बैटरा व्यापारी के यहां शनिवार को जीएसटी की एसआईबी (विशेष अनुसंधान शाखा) यूनिट ने छापा मारकर करोड़ों की टैक्स चोरी पकड़ी। अधिकारियों के मुताबिक, कारोबारी ने पांच सालों में मात्र 15 लाख रुपये ही टैक्स जमा किया है। करीब 10 घंटे चली कार्रवाई के बाद एसआईबी जरूरी दस्तावेज अपने साथ ले गई है। दीपावली करीब है, ऐसे में टैक्स चोरी करने वाले व्यापारियों की धरपकड़ के लिए जीएसटी की एसआईबी टीम सक्रिय है। शनिवार शहर के स्टेशन रोड पर पुराना बीसलपुर बस स्टैंड के करीब शुभम बैटरी पर एसआईबी यूनिट के उपायुक्त अनिरुद्ध सिंह व उनकी टीम ने छापामारी की। टीम के उपायुक्त अनिरूद्ध सिंह के अनुसार बैटरा व्यापारी के यहां उनकी टीम को टैक्स चोरी का संदेह हुआ। इसके बाद विभागीय योजना बनाकर आम आदमी बनकर उनके यहां बैटरी खरीदी गई। इस दौरान प्रतिष्ठान व्यापारी पर संदेह हुआ। विभागीय जांच के बाद उनकी टीम द्वारा कार्रवाई का अंजाम दिया गया। उपायुक्त जीएसटी एसआईबी अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि शुभम बैटरी प्रतिष्ठान ने पिछले पांच साल में 100 करोड़ रुपये के माल की बिक्री की है। इसमें प्रतिष्ठान द्वारा बड़ी टैक्स चोरी की गई। मात्र 15 लाख रुपये पांच साल में जमा किया गया। जीएसटी एसआईबी की टीम की दस घंटे चली जांच के प्रतिष्ठान से जरूरी दस्तावेज संकलित कर वापिस लौट गई। जल्द ही टीम प्रतिष्ठान पर जुर्माना भी तय करेगी।

संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए दस्तक अभियान शुरू शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में फॉगिंग एवं कीटनाशक का छिड़काव के आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत पीलीभीत स्वास्थ्य विभाग ने रविवार को जिले भर में संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए 27 दिवसीय %दस्तक% अभियान शुरू किया। 31 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान का उद्घाटन जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने गांधी मीटिंग हॉल में किया और उसके बाद एक जन जागरूकता रैली निकाली गई। प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, छह विभागों – पंचायती राज, शिक्षा, कृषि, पशुपालन, बाल विकास और शहरी स्थानीय निकाय – को इसमें शामिल किया गया है, जिनमें से प्रत्येक को विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिला मजिस्ट्रेट ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि पंचायती राज विभाग सभी 721 ग्राम पंचायतों में नालियों की सफाई की देखरेख करेगा, रुके हुए पानी के गड्ढों को भरेगा और उथले हैंडपंपों को इंडिया मार्क-2 मॉडल से बदलेगा। यह खराब हैंडपंपों की मरम्मत और सड़क किनारे की झाड़ियों को हटाने का काम भी सुनिश्चित करेगा।

स्कूलों में, एक नोडल शिक्षक सुबह की सभाओं में छात्रों को संक्रामक रोगों और उनकी रोकथाम के बारे में जानकारी देंगे। स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए चित्रकला, पोस्टर निर्माण, निबंध लेखन, वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएँगी। कृषि विभाग को कीट नियंत्रण को बढ़ावा देने का काम सौंपा गया है, विशेष रूप से चूहों और छछूंदरों के खिलाफ, जबकि पशुपालन विभाग सूअर पालकों को साफ बाड़े बनाए रखने और नियमित रूप से कीटनाशकों का उपयोग करने के बारे में शिक्षित करेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कुपोषित बच्चों की पहचान करेंगी और उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्र भेजेंगे। प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में दस्त के मामलों के प्रबंधन के लिए ओआरएस और जिंक की गोलियों का भंडार होगा। आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर बुखार, खांसी, टीबी, फाइलेरिया और अन्य संक्रामक रोगों से पीड़ित लोगों की सूची बनाएँगी और उन्हें जाँच व उपचार के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर भेजेंगी। उन्होंने बताया कि पाँच साल से कम उम्र के सभी बच्चों को घर पर ही ओआरएस और जिंक की गोलियाँ उपलब्ध कराई जाएँगी। शहरी स्थानीय निकाय स्वच्छता अभियान के साथ-साथ मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए सभी वार्डों में फॉगिंग और कीटनाशक का छिड़काव करेंगे।

5 Signs of High Uric Acid Are Visible on Your Skin Too, Don't Ignore Them

Do you think high uric acid levels only cause joint pain? If so, you're wrong! Yes, high uric acid levels can also affect your skin. People often ignore these symptoms (Skin Signs of High Uric Acid), but they can lead to serious illnesses. The skin also gives off some warning signs when uric acid levels rise.It's crucial to pay attention to these signs early. By managing these symptoms, you can take care of your health. We all know that when uric acid levels rise in the body, it causes severe pain and swelling in the joints. But did you know that its effects can also be visible on our skin? Yes, uric acid crystals can accumulate not only in the joints but also under the skin, causing a variety of symptoms. That's why it's crucial to recognize the 5 signs (Uric Acid Skin Symptoms) mentioned in this article so you can seek timely and appropriate treatment. Painful lumps on the skin - The most characteristic sign of high uric acid levels is the formation of small, hard lumps under the skin. These lumps often appear around the ears, fingers, elbows, and ankles. They can sometimes be painful. If these lumps become very large, they may also exude a white, chalk-like substance. Skin discoloration - When uric acid crystals accumulate around joints, the skin in that area may turn red or purple. This is due to inflammation and irritation. The skin may also appear stretched and shiny. If you notice a sudden change in skin color over a joint, it could be a serious warning sign. Red or purple spots - In some cases, high uric acid levels can cause red or purple spots on the skin. These spots often occur around joints. These signs indicate that something is wrong inside the body and should not be ignored. Itchy skin - Some people may also experience itchy skin due to high uric acid levels. This occurs when uric acid crystals accumulate beneath the skin's surface, causing irritation and itching. If you experience persistent itching for no apparent reason, getting your uric acid levels tested may be a good idea. Slow wound healing: High uric acid levels affect not only the joints but also the body's internal systems. This can lead to increased inflammation, which can make wounds take longer to heal. If you notice minor wounds taking longer than usual, this could also be a sign. It would be wrong to associate uric acid solely with joint pain. Its symptoms can also appear on the skin. If you notice any of these symptoms, consult a doctor immediately and get a proper diagnosis. Uric acid can be controlled with a healthy lifestyle, proper diet, and adequate water intake. Remember, timely detection and treatment can prevent serious problems.

Want to make your brain as sharp as an AI? Include 5 Omega-3-rich foods in your diet for numerous benefits.

Have you ever imagined that your brain could function like a supercomputer? Process millions of data every second, memorize things in a jiffy, and solve even the most complex problems with ease? Yes, it's all possible! Let us tell you about 5 Omega-3-rich foods that are extremely beneficial for brain health. Omega-3-rich foods can provide the brain with the right fuel. They strengthen brain cells, improving focus. Omega-3 in your diet is essential for making your brain as sharp as an AI. In today's fast-paced world, everyone wants to make their brain as sharp and fast as a computer. Do you also want to improve your memory, improve focus, and relieve mental fatigue? If so, the answer lies in your diet, especially in omega-3 fatty acids. Omega-3 fatty acids act as a superfood for our brain. They strengthen brain cells, improve brain function, and help fight many mental illnesses. Let's learn about five foods (Omega-3 for Brain) that are rich in Omega-3 and can make your brain as sharp as AI. Walnuts - Walnuts are shaped like a brain and are truly beneficial for your brain. They are rich in Omega-3, antioxidants, and vitamin E. Eating 2-3 walnuts daily improves memory and increases brain function. They also help keep nerve cells active. Flax seeds - If you're a vegetarian, flax seeds are an excellent source of Omega-3. They contain abundant amounts of alpha-linolenic acid (ALA), which is essential for the body. You can eat flaxseed powder by mixing it into yogurt, smoothies, or salads. It keeps both the heart and brain healthy. Chia Seeds - These tiny seeds are a treasure trove of nutrition. Chia seeds are rich in fiber, protein, and omega-3 fatty acids. They help calm the mind, improve focus, and reduce mental stress. You can soak them in water or eat them with oats. Fish - If you're a non-vegetarian, fatty fish like salmon, mackerel, or tuna are excellent sources of omega-3s. They contain essential omega-3 fatty acids like DHA and EPA, which directly impact brain health. Regular consumption of fish improves blood circulation in the brain and improves thinking. Soybeans and Tofu - Soybeans are also a good source of omega-3 fatty acids. They help strengthen brain cells and enhance memory. You can include soybeans as a vegetable or tofu (soy cheese) in your diet. By simply including these 5 foods in your diet, you can not only sharpen your mind but also keep it healthy for a long time.

Does your child also retort back? Before scolding, learn 10 psychological reasons for this.

Children's retort isn't just a sign of misbehavior, but it's the result of many deeper reasons. Sometimes it's a feeling of self-defense, sometimes excessive discipline or emotional neglect. Sometimes they try to express their point, but the method is wrong. Let's understand this in simple terms. Children learn by observing those around them. In some cases, children retort back to their parents. Sometimes, children do this simply to get your attention. Self-protection: When a child feels unsafe, humiliated, or suppressed, they retort to clarify their position or defend themselves. Harsh discipline: Too much strictness and lack of freedom can make children rebellious. In such situations, they express their opinions loudly and in a defiant manner. Emotional Neglect - If parents don't provide adequate emotional support or love to a child, the child feels neglected and reacts with anger or irritability. Role Model Influence - Children learn what they see. If they see adults around them speaking back, they adopt similar behavior. Lack of Communication - When children aren't listened to and are only given orders, they may react back in protest. Age Changes - Due to hormonal changes during adolescence, adolescents become more sensitive, emotional, and argumentative. As such, they tend to react to everything. External Pressure and Stress - When a child is under mental stress due to school, peers, or other external pressures, they may vent their anger by speaking back at home. Lack of Boundaries - If children are given freedom and discipline is not taught, they begin to accept speaking back as normal and respond back. Attempting to Express Their Opinion - Children also express their opinions. When they don't get a chance to speak, they become stubborn and insistent. Parents' reaction: If parents show excessive anger when a child disagrees, the child takes it as their response. Children's retort is not just a discipline issue, but a sign that they need to be understood and talked to. In such a situation, if parents act with patience, love, and understanding, children's behavior can be improved.

A 10-year-old record will be broken on Diwali, as three superstars did not stake their claim at the box office this time.

The excitement of Diwali is felt across the country. This festival is also very special for Bollywood stars, as every year a superstar releases a film on this occasion. This is the occasion when the highest earnings are expected from a film. However, after 10 years, a major record is about to be broken this Diwali. Stars are always eager to take over the box office on Diwali. Everyone strives to ensure that their film releases during this festival, as Diwali, the festival of lights, has the longest holiday season, which gives films a good chance of earning a good amount at the box office. However, this time, along with winning the hearts of the audience, the box office record of the last 10 years is also about to be broken, as unlike every other year, none of these three superstars are releasing on screen. Who are these 3 superstars who make the box office rich on Diwali? Read the full details below: Are theatres deserted on Diwali without these 3 superstars? Every star has planned their own festivals. While Salman Khan mostly comes on Eid, Aamir Khan tries to come on Christmas. In the last 10 years, 15 films have been released on Diwali, out of which 11 have proved to be superhits. These 15 films are of only 3 superstars, who are the real 'Baazigars' of this festival. The stars who release the most movies on the occasion of Diwali are Salman Khan, Akshay Kumar and Ajay Devgan. Out of the 15 films released in 10 years, 4 are by Ajay Devgan, 3 by Akshay Kumar, 2 by Salman Khan, 1 by Aamir, 1 by Rani Mukherjee. In the last 10 years, 8 of these were hits and 5 flops. Let us tell you the list of films released on Diwali from 2015 to 2024. Salman Khan's Prem Ratan Dhan Payo and Tiger 3 are included in the list of films releasing on Diwali. Ajay Devgan's Shivaay, Golmaal Again, Singham Again, and Thank God are also included. Akshay Kumar's Diwali releases include Housefull 4, Sooryavanshi, and Ram Setu. Apart from these, films released on the special occasion of Diwali include Aamir Khan's 'Thugs of Hindostan' in 2018, Rani Saif's 'Bunty Babli 2' in 2021, and Kartik Aryan's 'Bhool Bhulaiyaa 3' in 2024. Of these, 8 were hits, 5 were flops, and 2 were average. Now, let's see which of these films were hits and which were flops: Film Hit or Flop Prem Ratan Dhan Payo Hit Shivaay Flop Ae Dil Hai Mushkil Hit Golmaal Again Hit Secret Superstar Hit Badhaai Ho Hit Housefull 4 Hit Thugs of Hindostan Flop Sooryavanshi Hit Bunty Aur Babli Flop Ram Setu Flop Thank God Flop Tiger 3 Average Singham Again Average Bhool Bhulaiyaa 3 Hit These 2 films will take over the box office in 2025 This year, Ajay Devgan, Salman Khan, and Akshay Kumar may not have made their mark at the box office, but Diwali will not be dull. Ayushmann Khurrana and Rashmika Mandanna's horror comedy "Thamma" will hit theaters on October 21st. In addition, Harshvardhan Rane's "Ek Deewane Ki Deewaniyat" will compete with "Thamma" at the box office. It will be interesting to see which film emerges victorious in this Diwali box office battle.

Comedian Sunil Pal vents his anger on Aryan Khan for 'The Ba**ds of Bollywood'

Aryan Khan's directorial debut, The Ba**ds of Bollywood, received critical acclaim. Its outspoken commentary on the Hindi film industry and sharp criticism of certain characters was widely appreciated. However, comedian Sunil Pal was not entirely impressed. Released on September 18th, "Ba**ds of Bollywood" saw Aryan Khan mock Shah Rukh Khan and Sunil Pal take a dig. Aryan Khan's debut series, "The Ba**ds of Bollywood," has been released and is trending on Netflix. While everyone is praising Aryan Khan for his skillful roasting of Bollywood culture, some people are not happy with it. Comedian Sunil Pal has now publicly targeted Aryan Khan, accusing him of disrespecting the very film industry that built his father's legacy. Shah Rukh Khan was also roasted. Speaking on a Pinkvilla podcast, Aryan Khan said, "The Bollywood that made your father such a big superstar, you're now criticizing that Bollywood in this way." There's no doubt that Aryan Khan has been king of Bollywood for the past 30 years. He's delivered numerous blockbuster films. Aryan Khan roasted many Bollywood actors in his series, including Shah Rukh Khan. None of the Bollywood actors featured in the series seemed offended. Aryan could have sat for five more years - But comedian Sunil Pal feels Aryan should have done something else instead. He said, "Aryan Khan had no shortage of fame, money, or a platform. He could have sat at home for five more years and done something that even Sanjay Leela Bhansali would have praised." Who appeared in the series? Many Bollywood stars, including Lakshya, Sahher Bambba, Bobby Deol, Raghav Juyal, Anya Singh, Mona Singh, and Manoj Pahwa, appeared. The show, streaming on Netflix, is the story of an outsider's struggle to establish himself in Bollywood and grapple with internal politics and rivalry.

It felt like her mother was here... Anshula Kapoor got emotional in engagement photos, Janhvi and Khushi were seen posing with their brother-in-law.

Anshula Kapoor Engagement: Arjun Kapoor's sister, Anshula Kapoor, has finally shared her engagement photos on social media. These photos featured her entire family: Boney Kapoor, Arjun Kapoor, Sonam Kapoor, Janhvi Kapoor, Shanaya Kapoor, and Khushi Kapoor. Shikhar Pahariya was also present with Janhvi Kapoor. Anshula Kapoor shared engagement photos. The entire Kapoor family attended - Anshula felt the loss of her mother. Arjun Kapoor's sister, Anshula Kapoor, got engaged to her boyfriend, Rohan Thakkar, on October 2nd. The ceremony was held in a private ceremony at her father, Boney Kapoor's Bandra residence, and the entire Kapoor family attended. Anshula and Rohan's engagement took place on October 2nd. Two days later, Anshula finally shared photos from the "Gor Dhana" (engagement ceremony). She shared beautiful photos with her brother Arjun Kapoor, sisters Janhvi Kapoor and Khushi Kapoor, and her father Boney Kapoor. These beautiful photos also featured Sonam Kapoor, Shikhar Paharia, Khushi Kapoor, Shanaya Kapoor, and Rhea Kapoor. A special emotional part of the ceremony involved Anshula paying tribute to her late mother, Mona Shourie. She honored her mother by placing a seat next to her and placing a photo of her there. In her caption, Anshula expressed how she felt her late mother's presence on this special occasion. Anshula also shared an emotional moment with her brother and actor Arjun Kapoor. Meanwhile, in one photo, Boney Kapoor is seen blessing Anshula and Rohan. A sweet group photo featured the entire Kapoor clan together. In another candid photo, Anshula is seen dancing with her father, Boney Kapoor, while in another, she poses with her sisters, Janhvi and Khushi. In her caption, Anshula wrote, "02/10/2025 It wasn't just our love, it was love reflected in every little thing. Ro's favorite words have always been 'always and forever.' His love makes me believe that fairy tales live on not just in books, but in moments like these." Anshula and Rohan met in 2022. She further added, "Laughter, hugs, blessings, and a room full of people who make our world feel full. And then, a mother's love quietly engulfs us. In her flowers, in her words, in her seat, the way her presence was still felt everywhere. All I remember was looking around and thinking, 'This is how it should always feel. God bless you.'" Anshula and Rohan met on a dating app in 2022. In July of that year, Rohan proposed to Anshula in New York's Central Park.